सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 133 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 25 फरवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

किस्त नहीं पटाने पर आईडीएफसी के रिकवरी वालों ने युवक का सिर फोड़ा, एफआईआर दर्ज

भिलाई। किस्त नहीं पटाने पर भिलाई के फरीद नगर में आईडीएफसी बैंक के रिकवरी एजेंटों ने युवक का सिर फोड़ दिया। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर सुपेला पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। युवक ने अपनी शिकायत में बताया कि बैंक के रिकवरी वाले तीन युवकों ने उसके साथ मारपीट की। इस मामले में सुपेला पुलिस ने धारा 115(2)-BNS, 296-BNS, 3(5)-BNS के तहत अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार फरीदनगर निजामी चौक निवासी सय्याद फारुख से आईडीएफसी के रिकवरी वालों ने मारपीट की। पीड़ित फारूख सैय्यद ने पुलिस को बताया कि वह सप्ताहिक बाजार मे कपडे का दुकान लगाता है। तीन माह पूर्व तव्कल मोबाईल स्टोर सुपेला से एक आलमारी कीमती करीब 12500 रुपए व मोबाइल कीमती करीबन 12500 रुपए का खरीदा था। कुल 25000 आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से फायनेंस कराया था। इसके लिए 6000 रुपए डाउन पेमेन्ट किया था एवं महिने का किस्त 2150 रुपए आता था। तीन माह तक लगातार किस्त पटाया था माह फरवरी का किस्त आर्थिक सिथति ठीक न होने के कारण किस्त जमा नही कर पाया था। 23 फरवरी 25 को आईडीएफसी बैक के रिकवरी एजेंटो द्वारा मुझे किस्त जमा करने के लिये बोले तो मैने उनसे कहा था कि 24 फरवरी 25 को मै ऑन लाईन पेमेन्ट कर दूंगा।

24 फरवरी 25 को फारूख अपना मोबाइल जिसे बनाने के लिये तव्कल मोबाईल स्टोर सुपेला मे दिया था जिसे लेने गया था कि उसी समय रात्रि करीबन 7 बजे आईडीएफसी बैक के 03 रिकवरी एजेन्ट पहुंचे मुझसे किस्त जमा करने बोले। अभी रूपये नही है बाद में देने की बात कही तो उन लोगो के द्वारा मुझसे वाद विवाद कर मा बहन की अश्लील गाली दी। उनमें से एक ने बेल्ट से तथा एक व्यकित बांस के डंडा से एवं एक व्यकित हाथ मुक्का से मारपीट की जिससे उसके सिर पर चोट आई है। इसकी जानकारी फारुख के चाचा सैफ अली को लगी तो वह मौके पर पहुंचा और भांजे को लेकर सुपेला थाने पहुंचा। यहां से डॉक्टरी मुलाहिजा होने के बाद फारुख की शिकायत पर सुपेला पुलिस ने आईडीएफसी बैंक के तीन रिकवरी वालों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले में विवेचना की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के जेलों में बंदियों ने किया गंगा स्नान

गृहमंत्री विजय शर्मा की पहल पर महाकुंभ का गंगाजल पहुंचा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डिप्टी सीएम विजय शर्मा की पहल पर छत्तीसगढ़ के जेलों में बंदियों को गंगा स्नान कराया गया। छत्तीसगढ़ सरकार की विशेष पहल व गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रयास से जेलों में प्रयागराज महाकुंभ का पवित्र गंगाजल पहुंचाया गया। विशेष आयोजन के तहत 5 सेंट्रल जेल, 20 जिला जेल और 8 सब-जेल में कैदियों ने गंगा जल से स्नान किया। सरकार के इस पहल की चौतरफा सराहना हो रही है।

बता दें इन दिनों प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन है। देशभर के लोग गंगा स्नान कर पुण्य लाभ ले रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार ने जेल में बंदियो कीआत्मशुद्धि और नैतिक उत्थान के लिए उन्हें गंगा जल से स्नान कराया गया। इसके लिए जेल प्रशासन की तरह से विशेष व्यवस्था की गई है। इस दौरान सभी में भारी उत्साह देखने को मिला। जेल के बंदियों ने भी सरकार व गृहमंत्री के इस अभिनव प्रयास की सराहना की। स्नान के लिए जेल प्रशासन ने भी विशेष प्रबंध किए।

प्रदेश के 33 जेलों में हुआ गंगा स्नान का आयोजन

गंगास्नान का यह आयोजन रायपुर सेंट्रल जेल, दुर्ग सेंट्रल जेल, बिलासपुर सेंट्रल जेल, जगदलपुर सेंट्रल जेल व अंबिकापुर सेंट्रल जेल के साथ कुल 33 जेलों में किया गया। सभी जेलों में सुबह से ही इसके लिए विशेष तैयारियों की गई थी। गृहमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर जेलों में पानी स्टोर करने वाली टंकियों को सजाया गया और उसमें फूलों की पंखुडियां डाली गई। यह पहली बार है कि छत्तीसगढ़ के जेलों में बंदियों को गंगा स्नान कराया गया। इस विशेष आयोजन में जेल प्रशासन ने भी अपनी सहभागिता दिखाई।

गृहमंत्री लेकर आए गंगाजल

बता दें जेल में बंदियों को गंगा स्नान कराने गृहमंत्री विजय शर्मा प्रयागराज महाकुंभ से गंगा जल लेकर आए थे। छत्तीसगढ़ के जेल में बंद 18 हज़ार 500 से ज्यादा कैदियों ने त्रिवेणी के जल से स्नान कराने उन्होंने यह सार्थक पहल की। जिसमें 5 सेंट्रल जेल, 20 जिला जेल और 8 सब-जेल के कैदी शामिल है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर सहित अन्य जेलों में बंद हजारों बंदियों ने प्रयागराज महाकुंभ के जल से गंगाजल से स्नान किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार सुधार और पुनर्वास के लिए आगे भी ऐसे कार्यक्रम चलाएगी।

मंत्रोंच्चार के साथ मिलाया जल

प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए जल को जेलों में बनी पानी के स्टोरेज टैंक में मंत्रोच्चार के साथ मिलाया गया। इस दौरान पुजारी की उपस्थिति में विधिवत गंगा की पूजा आरती की गई। हर हर गंगे और गंगा मैय्या के जयकारे लगे। पुजारी ने विधिवत पूजा के बाद मटके से पहुंचे महाकुंभ के जल को पानी में मिलाया। इसके बाद बंदियों ने एक-एक कर इस जल से स्नान किया। स्नान के दौरान भी बंदी मां गंगे की जय जयकार करते रहे।

दुर्ग सेंट्रल जेल में भी बंदियों ने किया गंगा स्नान

दुर्ग सेंट्रल जेल में भी बंदियों के लिए विशेष तैयारियां की गई थी। महाकुंभ का जल मिलाने के बाद बंदियों ने एक साथ स्नान किया और गंगा मैय्या के जयकारे किए। स्नान के बाद बंदियों ने इस वृहद आयोजन के लिए जेल प्रशासन का आभार जताया। जेल अधीक्षक व जेल के अन्य कर्मचारियों ने बंदियों को स्नान की कराने की पूरी व्यवस्था संभाली। जेल अधीक्षक ने कहा कि प्रदेश सरकार की इस पहल से पहली बार जेलों में बंदियों को महाकुंभ के जल से स्नान का अवसर मिला।

नारायणपुर जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर से बदसलूकी, डॉक्टरों के विरोध के बाद आप नेता को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ अभद्रता और धमकी देने के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सुरजीत ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला डॉक्टर से बहसलूकी के बाद डॉक्टरों की एकजुटता और विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने आप नेता को गिरफ्तार किया है। इस मामले में नारायणपुर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 3-LCG, 132-BNS, 296-BNS, 332(c)-BNS के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है।

बता दें यह पूरा मामला 18 फरवरी 2025 की रात का है। डॉ. दीक्षा बघेल इमरजेंसी ड्यूटी पर थीं। रात 10 बजे, उन्हें आईसीयू में भर्ती गंभीर सिर की चोट और हाइपोवोलमिक शॉक से पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए बुलाया गया। उसी समय सुरजीत ठाकुर अपने बच्चे को दस्त की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचे। चूंकि मामला आपातकालीन नहीं था, इसलिए डॉक्टर ने प्राथमिकता के आधार पर मरीजों को देखने की व्यवस्था की। इस पर सुरजीत ठाकुर आक्रोशित हो गए और जबरन आईसीयू में घुस गए। उन्होंने महिला डॉक्टर के साथ गाली-गलौज की, धमकियां दीं और अपने राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए उन्हें ट्रांसफर करवाने, सस्पेंड करवाने और बाहर देख लेने जैसी बातें कहीं। यह पूरी घटना अस्पताल के आईसीयू, गलियारों और पुलिस हेल्प डेस्क के सामने हुई, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है।

डॉक्टरों के विरोध के बाद हुई गिरफ्तारी

इस घटना के बाद महिला डॉक्टर खुद को असुरक्षित समझने लगीं। इससे अस्पताल के अन्य डॉक्टरों में भी भय का माहौल बन गया। डॉक्टरों ने इस घटना के विरोध में एकजुट होकर प्रशासन से आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। इस मामले में पुलिस अधीक्षक से भी शिकायत की गई। डॉक्टरों के इस सामूहिक विरोध और पुलिस प्रशासन की तत्परता के चलते आरोपी सुरजीत ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद डॉक्टरों ने जताया संतोष

गिरफ्तारी के बाद डॉक्टरों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि भविष्य में चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर और भी ठोस कदम उठाए जाएँगे। डॉक्टरों की एकता और प्रशासन की कार्रवाई से यह संदेश गया कि चिकित्सकीय सेवाओं में बाधा डालने और डॉक्टरों से दुर्व्यवहार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

बजट सत्र के दूसरे दिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री साय बोले पूर्व पीएम से बहुत कुछ सीखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो गया है। बजटसत्र के दूसरे दिन विधानसभा की कार्रवाई शुरू होने से पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। सदन में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया गया। स्पीकर रमन सिंह बोले- उनकी भरपाई नहीं हो सकती। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वहीं सीएम साय ने कहा कि देश ने हीरा खो दिया है। पूर्व पीएम से मैने बहुत कुछ सीखा है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को श्रद्धांजलि देते हुए सीएम साय ने कहा कि मेरा सौभाग्य था कि सांसद रहते हुए मैंने डॉ. मनमोहन सिंह से बहुत कुछ सीखा। राज्यसभा में उनके कार्यकाल की समाप्ति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके लिए जो बातें कही, वो आज भी स्मरणीय है। डॉ. सिंह ने व्हील चेयर में बैठकर भी एक बिल पर मतदान किया था, यह इसका उदाहरण है कि एक सांसद अपने दायित्वों के प्रति कितना सजग है, वे लोकतंत्र को ताकत देने सदन में पहुंचे थे।

सीएम साय ने कहा असाधारण विद्वान, सरल और सहज डॉ. मनमोहन सिंह जी ने सार्वजनिक जीवन में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई। रिजर्व बैंक में गवर्नर, केंद्र सरकार में वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के पद को उन्होंने सुशोभित किया। हमारे प्रदेश की बहुत सुंदर स्मृतियां डॉ. मनमोहन सिंह जी के साथ जुड़ी हैं। उनका जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरक रहेगा। डॉ. मनमोहन सिंह जी को पुनः विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, उनके शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल बोले- मनमोहन सिंह 10 साल प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने समर्थन मूल्य 450 से 900 रु. प्रति क्विंटल धान खरीदी की शुरुआत की। इससे किसानों की स्थिति में सुधार हुआ। उन्होंने मनरेगा की भी शुरुआत की। इसके बाद सदन में 2 मिनट के मौन के बाद कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित की गई। इसके बाद दोबारा कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद प्रश्नकाल में विधायकों के सवाल सदन में गूंजे।

कुंभ यात्रियों का वाहन ट्राले से टकराया, 3 की मौत, 7 घायल

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में प्रयागराज में कुंभ में स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन सड़क किनारे खड़े ट्राले से जा टकराया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि सात लोग घायल हुए हैं। इस हादसे में चाचा-भतीजे की भी मौत हुई है। हादसे की वजह कुंभ यात्रियों के वाहन चालक को झपकी आ जाना बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम निवासी महाकुंभ में स्नान करने प्रयागराज गए थे और वहां से सोमवार की रात को लौट रहे थे तभी उनका वाहन रीवा जिले के मनगवां थाना क्षेत्र में मढ़ी गांव में पूर्वांचल ढाबा के करीब खड़े एक ट्राले में पीछे से जा टकराया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है जबकि सात लोग घायल हुए हैं।

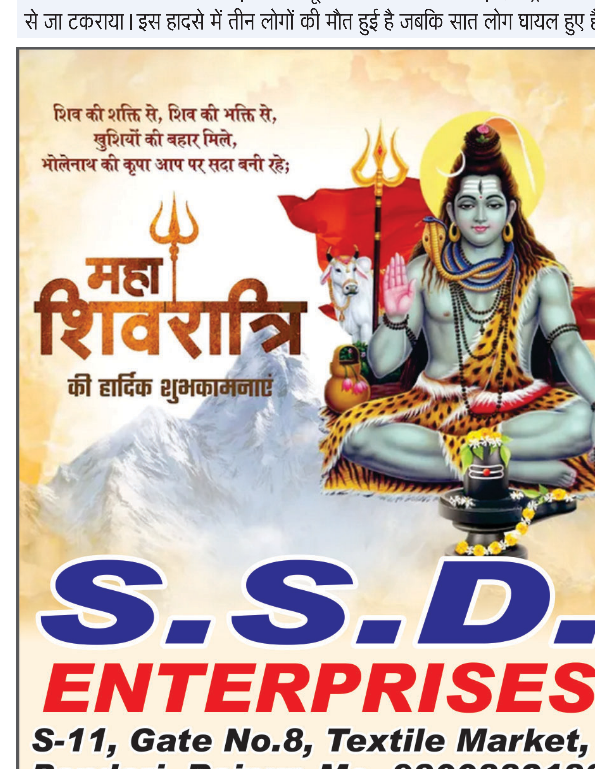

जब काटने लगे सबसे अच्छा दोस्त

श्रीकंचनपथ

कुत्तों को इंसान का सबसे अच्छा दोस्त माना गया है। पर जब यही दोस्त गुस्सैल या पागल हो जाता है तो इंसान के लिए कठिन चुनौतियां पेश कर देता है। देश भर से हिंसक कुत्तों का शिकार होने वालों की खबरें आती रहती हैं। इन शिकारों में सबसे ज्यादा बच्चे और महिलाएं होती हैं। कभी-कभी तो ये कुत्ते अपने शिकार को बुरी तरह जख्मी कर देते हैं। पागल कुत्तों के काटने से इंसानों में जलातंक नामक रोग होता है जिसमें अत्यंत पीड़ादायक परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो जाती है। आज फरवरी का अंतिम मंगलवार है। इस दिन विश्व बंध्याकरण या नसबंदी अभियान चलाया जाता है। इसका उद्देश्य आवारा पशुओं की जन्मदर को कम करना है ताकि बाद में उनसे निपटने की समस्या को कम किया जा सके। प्रदेश की राजधानी रायपुर में प्रतिदिन 20 से 25 आवारा कुत्तों की नसबंदी की जाती है। पर समस्या है कि कम होने का नाम ही नहीं ले रही। बीते साल छत्तीसगढ़ में सालभर में 1 लाख 19 हजार 928 लोगों को कुत्तों ने काटा है। इनमें से तीन लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक शीर्ष पर रायपुर आता है जहां 15953 लोगों को कुत्तों ने काटा। इसके बाद क्रमश: बिलासपुर 12301, दुर्ग 11084, कोरबा 8401, राजनांदगांव 6328, जांजगीर चांपा 6323, बलौदाबाजार 5035, जशपुर 4898, धमतरी 3916, सरगुजा 3690, रायगढ़ 3643, धमतरी 944, बालोद 3121, कबीरधाम 2250, कोरिया 1625, कांकेर 2996, बीजापुर 422, सूरजपुर 2613, कोंडागांव 1678, नारायणपुर 527, मुंगेली 3234, गौरला- पेंड्रा- मारवाही 1932, सुकमा 422, बलरामपुर 1767, गरियाबंद 1698, सारंगढ़ 1376, बलौदाबाजार 5035, सक्ती 2754, खैरागढ़ छुईखदान 844, मनेंद्रगढ़ 1431, मानपुर -मोहला 909, बस्तर 1755 इसमें शामिल हैं। दरअसल, आवारा चाहे इंसान हो या पशु वह समाज के लिए खतरनाक ही होता है। आवारा इंसान तरह-तरह के अपराध करता है। लोगों को घायल करता है, उनका बलात्कार करता है। समाज की व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करता है। आवारा कुत्ते लोगों का सड़कों से आना-जाना मुश्किल कर देते हैं। इंसान की आवारगी उसकी आदत बन जाए तो कालांतर में परिवार भी उसकी चिंता करना छोड़ देता है। पर आवारा कुत्तों के साथ ऐसा नहीं है। उनके लिए पीपल फॉर एनिमल जैसे संगठन हैं। वे कुत्तों के मानवाधिकार, माफकीजिए-श्वानाधिकार के लिए लड़ते हैं। उनके भोजन पानी, रहने की व्यवस्था करते हैं। उन्हें मारने पीटने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करवाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि कुत्ते को रोटी खिलाने से स्वर्ग की राह आसान हो जाती है। जब पांडव अंतिम यात्रा पर रवाना हुए तो उनके साथ एक कुत्ता भी था। रास्ते में एक-एक कर द्रौपदी, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव की मृत्यु हो जाती है। अकेले युधिष्ठिर कुत्ते के साथ स्वर्ग के द्वार पर पहुंचते हैं। युधिष्ठिर ने जब अकेले स्वर्ग में प्रवेश करने से इंकार कर दिया तब कुत्ता धर्मराज के रूप में प्रकट हुआ और इंसान धर्मसंकट में फंस गया।

संपादकीय

कब संज्ञान लेना है यह तो अदालत की मर्जी है

अदालत का अपना मन होता है, अदालत की अपनी मर्जी होती है। वह स्वतंत्र होती है स्वतः संज्ञान लेने के लिए। वह किसी के कहने पर संज्ञान लेती है, उसे लगता है कि यह मामला स्वतः संज्ञान लेने का है तो वह लेती है, किसी को कहने की जरूरत नहीं पड़ती है। उसे लगता है कि यह मामला संज्ञान नहीं लेने का है तो उसे कोई मजबूर नहीं कर सकता कि वह इस मामले का भी संज्ञान ले। अदालत के पास अपना विवेक होता है।वह अपने विवेक के अनुसार किसी मामले का संज्ञान लेती है। वह किसी मामले में संज्ञान नहीं लेती है तो उसके विवेक पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। क्योंकि बाकी लोगों के पास अदालत जैसा विवेक नहीं होता है, इसलिए उन लोगों को इस बात की शिकायत या चर्चा नहीं करनी चाहिए, सवाल नहीं उठाना चाहिए कि अदालत ने इस मामले में स्वतः संज्ञान क्यों नहीं लिया। अदालत अदालत होती है, वह किसी पार्टी के नेता की समर्थक थोड़ी न है कि नेताजी के नाराज होने की चिंता करे।

> ***"नेता के समर्थकों को तो वही करना पड़ता है जो नेता चाहता है, नेताजी जेल से छह माह बाद छूटे हैं तो स्वागत करने जाना जरूरी है। मालूम है सबको नेता जेल किस लिए गए थे लेकिन समर्थक के पास अदालत के समान विवेक तो होता नहीं है, इसलिए वह तो वही करते है जिससे नेता खुश होता है। नेता छह महीने जेल में रहने के बाद बाहर आए और समर्थक खुश होकर जेल के दरवाजे तक स्वागत करने न पहुंचे तो वह समर्थक कैसा। बलौदाबाजार हिंसा मामले में 17 अगस्त से जेल में बंद भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली तो वह शुक्रवार को जेल से रिहा हुए।***

उनकी रिहाई से रायपुर व भिलाई के कांग्रेस कार्यकर्ता बहुत खुश हुए। नेता के जेल से रिहा होने पर समर्थकों को खुश होना ही पड़ता है। बहुत खुश हुए तो देवेंद्र यादव का स्वागत करने जेल रोड पहुंच गए। कांग्रेस कार्यकर्ता नेता व कार्यकर्ता बहुत खुश हो जाते हैं तो वह भूल जाते हैं कि राज्य में कानून कायदा भी है, राज्य में और लोग भी रहते हैं। तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुश होकर देवेंद्र यादव का जेल रोड में ही ऐसा स्वागत किया कि जेल रोड़ में एक घंटा जाम लग गया। कांग्रेस कार्यकर्ता खुश होता है तो कांग्रेस नेता भी खुश होता है, देवेंद्र यादव से स्वागत से बहुत खुश हुए, इतना खुश हुए कि कार पर खड़े होकर ही भाषण दे दिया। कार्यकर्ता खुश रहे तो नेता को भी बताना पड़ता है कि तुम लोग खुश हो तो मैं भी खुश हूं। नेता कार्यकर्ता खुश होते हैं तो वह किसी की कहां सुनते हैं। जेल रोड में पुलिस समझाती रही कि जेल रोड में उनकी खुशी के कारण बहुत सारे लोग परेशान हैं, दुखी हैं, कहीं जाना चाहते हैं एक घंटा हो गया रुके हुए हैं, नहीं जा पा रहे हैं। नेता व कार्यकर्ताओं ने पुलिस की नहीं सुनी। पुलिस इंतजार करती रही कि कोई जाम से परेशान आदमी पुलिस से नेता व कार्यकर्ता की शिकायत करेगा लेकिन कोई नहीं आया तो पुलिस को खुद ही सड़क पर सभा करने व भाषण देने के मामले में देवेंद्र यादव सहित पांच छह सौ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।आरोपी बनाए गए लोगों में 13-14 पहचाने गए लोगों के नाम है। बाकी लोगों का नाम वीडियों फुटेज देखकर जोड़ा जाएगा।

अब पुलिस भी क्या करे, वह भी तो मजबूर है। अदालत ने उसे मजबूर कर दिया है।सड़क पर केक काटने के एक मामले को पुलिस ने हल्के से लिया तो अदालत ने स्वतः संज्ञान लेकर कहा कि आप लोगों ने इतने गंभीर मामले को इतने हल्के से कैसे लिया।अदालत किसी मामले को गंभीरता से ले तो पुलिस को भी उसे गंभीरता से लेना पड़ता है, फिर कांग्रेस नेता व कार्यकर्ताओं ने सड़क पर केक काटकर जन्म दिन मनाया तो पुलिस ने इस बार सड़क पर जन्मदिन मनाने के गंभीरता से लिया और सड़क पर जन्मदिन मनाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, अदालत ने पूछा कि इस मामले में क्या हो रहा है तो पुलिस को बताना पड़ा कि कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई की गई है। हो सकता है कि अदालत को लगे कि सड़क पर जो काम नहीं किया जाना चाहिए, वह काम कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता क्यों बार बार करते हैं। अदालत को मालूम न हो तो पता करना चाहिए तो उसे पता चलेगा कि सत्ता चले जाने के बाद भी कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं को लगता है कि राज्य व देश में आज भी उनकी सत्ता है। वह जो चाहे कर सकते हैं। सड़क पर केक काट सकते हैं, सड़क पर सभा कर सकते हैं।देश के सारे कानून तो उन्हीं लोगों ने बनाए हैं। कानून बनाने वालों पर भला कोई कानून लागू होता है क्या।

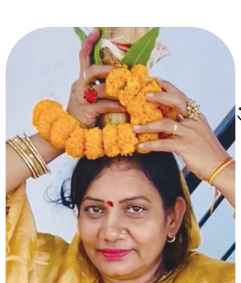

हर....हर....गंगे

अमर धरोहर कुंभ है, 'सुषमा' भारत देश।
संत महात्मा आ जुटे, सुखद बने परिवेश।।
प्रति बारहवें वर्ष में, मेला कुंभ विराट।
भक्त पधारेंगें यहाँ, गंगा जी के घाट।।
सुबह शाम है गूँजता, शंखों का संगीत।
'सुषमा' सुंदर आरती, गाते मंगल गीत।।
माँ गंगा शुभ पावनी, लहरों पर विश्वास।
महाकुंभ की दिव्यता, उत्सव दे उल्लास।।
आओ मिल गाएँ सभी, भक्ति भरा आलाप।
हर डुबकी के साथ ही, धुलते हैं हर पाप।।
गंगा-तट पर है सजा, श्रद्धा का उद्यान।
संगम की पावन धरा, देती अमृत ज्ञान।।
सूरज की किरणें पड़े, जल में घुले प्रकाश।
धाराएँ पावन बहे, करें पाप का नाश।।
मंत्र ध्वनि के गूँज से, जन-जन करे पुकार।
हर-हर गंगे बोलते, मंत्रों का उच्चार।।
धर्म-कर्म का मार्ग है, सुरसरिता है नाम।
तीर्थराज पावन बहुत, पुण्य धरा शुभ धाम।।
ध्यान तपस्या संग में, कल-कल बहती धार।
धरा-गगन सब गा उठे, शांति भरे हर द्वार।।
भव्य कुम्भ का दृश्य ये, अनुपम करे बखान।
'सुषमा' कहे पवित्रता, करती मोक्ष प्रदान।।
पावन कुंभ अमर रहे, माँ गंगा के संग।
शांति भक्ति अरु प्रेम का, उठता रहे तरंग।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल (रायगढ़/रायपुर छ.ग.)

औपचारिक और बेहतर कर्ज से किसानों की बढ़ती उत्पादकता

उमेश चतुर्वेदी

साल 2025-26 के बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर किसानों को मिलने वाले तीन लाख रूपए के कर्ज को बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसका जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में एक्स पर लिखा है कि इससे सब्जी-फल, हॉर्टिकल्चर की खेती करने वाले किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। अब वे खेती में ज्यादा पैसे लगा सकते हैं, ये उत्पादन की लागत घटाने के उपाय हैं। हालांकि किसान संगठनों को लगता है कि इसका जितना फायदा सोचा जा रहा है, उतना नहीं होने वाला है। किसान संगठनों की मांग है कि किसान क्रेडिट की सीमा बढ़ाने के साथ ही किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफकर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे।

भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने-पीने में ही करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का वादा किया था। उसके लिए जो कदम उठाए गए, उसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत भी थी। इसके फायदे हुए भी हैं। लेकिन जो लक्ष्य रखा गया था, उसे पाना अब भी कठिन चुनौती बना हुआ है।

शिवराज सिंह चौहान का कहना ठीक है कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का फायदा किसानों को होगा। इसकी तस्दीक हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर हुए कृषि सर्वेक्षण से जुड़े घरेलू स्तर के आंकड़ों का आकलन भी बताता है। घरेलू स्तर के आंकड़ों के जरिए कृषि में उत्पादकता और उसके जोखिम के साथ ही कृषि ऋण के प्रभाव का आकलन भी किया गया था। इस आकलन के नतीजे बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर उचित कर्ज मिलता है तो उससे उसकी उत्पादकता में 24 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दिखने लगती है। इससे किसानों को होने वाले नुकसान का जोखिम 16 फीसद तक कम हो जाता है।

महाजनी सभ्यता और अनौपचारिक कर्ज व्यवस्था के जोखिम और उससे उपजे खराब हालात से जूझते किसानों की दयनीय और मार्मिक कहानियों से भारतीय साहित्य भरा पड़ा है। हिंदी कथा सम्राट प्रेमचंद का मशहूर उपन्यास गोदान ऐसी ही कथाभूमि पर रचा गया गया है। उसे कृषक के दारूण जीवन की महागाथा कहा जाता ही है। बहरहाल यह अध्ययन मानता है कि किसानों को अगर औपचारिक क्षेत्र का ऋृण मिलता है तो उसकी उपज और उसकी जिंदगी पर उस कर्ज का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जबकि अनौपचारिक यानी महाजनी कर्ज व्यवस्था का किसानों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। साफ है कि किसानों को अगर सही तरीके से औपचारिक कर्ज सही वक्त पर दीर्घकालिक अवधि के लिए मिले तो उसकी जिंदगी में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर दीर्घकालिक और औपचारिक कर्ज मिलता है तो उसकी खेती को जरूरतों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। इससे उसकी उत्पादकता बढ़ने की गुंजाइश बढ़ जाती है। किसान की उपज बढ़ जाती है, फसल तैयार भी हो जाती है, लेकिन उसे बेचने के लिए सही बाजार तक पहुंच के लिए रकम नहीं होती तो उसे अपनी फसल और उपज औने-पौने दामों में बेचनी पड़ती है। लेकिन अगर किसान को सही तरीके से औपचारिक कर्ज मिलता है तो उस पर तात्कालिक आर्थिक दबाव नहीं रहता और फसल के बाद के खर्चों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। अगर किसानों के पास कुछ पैसे रहते हैं तो उस पर घरेलू जरूरतों का दबाव नहीं झेलना पड़ता और उसे अपने घरेलू खर्चों को पूरा करने में जहां सहायता मिलती है, वहीं इसके लिए उसे अपनी उपज सेंतमेत में बेचने को मजबूर नहीं होना पड़ता। इस कर्ज से किसान अपने कृषि उपकरणों और दूसरी अवसंरचनाओं को आसानी से रखरखाव कर सकता है। अध्ययन बताते हैं कि समय बद्ध और सहूलियत भरे अधिक कर्ज के जरिए किसानों को पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन जैसे कृषि आधारित और सहयोगी कामों को आगे बढ़ाने में मदद होती है। इस पूरी प्रक्रिया का असर यह होता है कि किसान की आर्थिक सुरक्षा मजबूत हो जाती है। तब वह बाजार और अपने उपज की वाजिब कीमत का इंतजार भी कर सकता है। आर्थिक सहूलियत रहने से समय पर वह जरूरी खाद और दवाओं को खरीदकर उनका खेती में इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही वह दूसरे खर्चों का दबाव भी नहीं महसूस कर सकता है।

बीती 31 जनवरी को को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश में मार्च 2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके थे। इनके जरिए किसानों को 9.81 लाख करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है। यह रिपोर्ट भी कहती है कि छोटे और सीमांत किसानों को लाभ देने के चलते खेती की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश के 5.9 करोड़ किसानों को किसान क्रेडिट योजना का फायदा उठा रहे हैं। किसानों की उत्पादकता बढ़ाने को ही ध्यान में रखते हुए बैंकों को स्पष्ट निर्देश है कि अपने कर्ज का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा कृषि और छोटे किसानों को दें। इसके जरिए कोशिश की जा रही है कि छोटे और सीमांत किसानों को आसानी से औपचारिक कर्ज तो मिल ही सके, उन्हें महंगी दर पर अवशोषक अंदाज में मिलने वाली निजी कर्ज राशि पर निर्भरता ना रहे। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अब साहूकार जैसे गैर-बैंकिंग कर्जदाताओं पर किसानों की निर्भरता घटकर 1950 के 90 फीसद की तुलना में 2022 में सिर्फ25 फीसद रह गई। साफ है कि अब ज्यादातर किसान बैंक और संस्थागत स्रोतों से कर्ज ले रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक ताकत और उत्पादकता बढ़ रही है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2014-15 से 2024-25 तक कृषि क्षेत्र के कर्ज में 12.98 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई है। इसी सर्वेक्षण के मुताबिक, साल 2014-15 में जहां किसानों को 8.45 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया था, वहीं 2023-24 में यह रकम बढ़कर 25.48 लाख करोड़ रुपये हो गई। इसके अनुसार, छोटे और सीमांत किसानों को मिलने वाले कर्ज में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। साल 2014-15 में छोटे किसानों को जहां 3.46 लाख करोड़ रुपये मिले थे, वह 2023-24 में बढ़कर 14.39 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकार का मानना है कि छोटे किसानों को बैंकों से ज्यादा कर्ज मिल रहा है और इससे वे अपनी खेती तो सुधार रहे ही हैं, अपनी आर्थिक स्थिति भी बेहतर कर रहे हैं। बहरहाल कृषि पर निगाह रखने वाले स्वतंत्र विचारक भी मानते हैं कि किसानों के लिए अल्पकालिक की तुलना में दीर्घकालिक ऋृण अधिक प्रभावी है। इसीलिए जानकार मानते हैं कि मौजूदा जलवायु परिवर्तन से आसन्न संकट के दौर में किसानों को मौसम के साथ अनुकूलन और उस लिहाज से अपनी खेती को ढालने के लिए ऐसी कृषि केंद्रित वित्त योजनाओं की जरूरत ज्यादा है। हालांकि इसका एक दूसरा पहलू भी है। कुछ लोगों का मानना है कि किसान कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। बजट पर चर्चा के दौरान संसद में राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल का यह कहना कि बकाया कृषि कर्ज की रकम अब 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। यह रकम 18.74 करोड़ से अधिक किसानों पर बोझ बन गई है। इसलिए सरकार को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए।

(ये लेखक के विचार हैं)

अब सीबीआई पिंजरे का तोता नहीं

विजय तिवारी

उप राष्ट्रपति धनखड़ जी ने भोपाल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में सम्बोधन करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया कि कार्यपालिका की नियुक्ति के संबंध में न्यायपालिका को कैसे हम शामिल कर सकते हैं। उनके तर्क के अनुसार लोकतंत्र में राष्ट्र के तीनों निकायों में शक्ति के विभाजन के अनुसार सीबीआई के डायरेक्टर के चयन में प्रधान न्यायधीश का क्या काम।

उनके अनुसार कार्यपालिका (सरकार) के कार्य सम्पादन में किसी भी प्रकार का हस्तकछेप चाहे वह विधायिका से हो अथवा न्यायपालिका से हो संविधान तथा लोकतंत्र के उसूलों के विरुद्ध है। धनखड़ जी खुद अदालतों मे वकालत कर चुके हैं। हालांकि वे सफल वकील नहीं रहे। उन्होंने कहा कि संविधान में संशोधन केवल संसद का अधिकार है। एक अनजाने महा न्यायवादी की किताब का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा मेरी समझ से तो संविधान के मूलभूत सिद्धांतों पर बहस की जरूरत हैं।

जगदीप धनखड़ जी संवैधानिक पद के नंबर दोयम पर आसीन हैं। परंतु वे उच्च सदन के सभापति भी हैं। अब वे सांविधानिक रूप से नंबर दो पर होने के बाद राष्ट्रीय विधायिका के सभापति भी हैं। मेरी तुच्छ बुद्धि के अनुसार यदि सांविधानिक पद पर हैं तब, उन्हें विधायिका और उससे जन्मे व्यवस्थापक से बिल्कुल समान दूरी बना कर रखनी चाहिए। राज्यसभा में बैठक का संचालन करते हुए उनके व्यवहार और फैसलों को समझा जा सकता है कि वे कितने न्यायप्रिय हैं। विपक्ष के सांसदों ने अनेकानेक बार उन पर न्याय नहीं नहीं करने का आरोप लगाया हैं।

सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट से बार-बार यह सुनना पड़ा था कि वह सरकारी तोता है। जिसका इशारा था कि सीबीआई की जांच सरकार के समर्थन में ही होती हैं। वह न्याय पूर्ण नहीं होती हैं। क्यूंकि अधिकतर सरकार अपने किसी स्वामिभक्त अफसर को इस पद पर नियुक्त करती थी। सुप्रीम कोर्ट की फटकार से केंद्र सरकार ने सीबीआई मुखिया की नियुक्ति में सर्वोच्च अदालत के प्रधान को भी शामिल किया। जिसका अर्थ यह था कि कम से कम अब सीबीआई को पिंजरे का तोता सुप्रीम कोर्ट नहीं कह सकेगी।

लेकिन मोदी सरकार के समय जिस प्रकार जांच एजेंसियों ने सत्ता विरोधियों को निशाना बनाने का काम किया है, उसके बाद ही सत्तारूद दल को वाशिंग मशीन की उपाधि मिल गई है। अब सरकार सीबीआई से ज्यादा इ डी की जांच को प्रमुखता से अवसर दे रही हैं। मोदी सरकार के काल मे यह मुहावरा बन गया हैं की अगर आप गैर भाजपाई है तो आपको धरमराज बन के रहना होगा।

वरना आप एंडी टीवी कर प्रणव रॉय और राधिका रॉय की भांति बेगुनाह होते हुए भी सरकारी जांच एजेंसी इतना परेशान करेगी कि आपको देश छोड़ना पड़ेगा। यह बात और है कि आठ माह बाद वही जांच एजेंसी अदालत में बयान देती है कि रॉय दंपति के विरुद्ध कोई अपराध किया जाना नहीं पाया गया। कुछ ऐसा ही झूठ टूजी घोटाले के बारे में विनोद राय ने भी देश से बोल था। जिसको आरएसएस और बीजेपी ने प्रचारित करके तत्कालीन मनमोहन सिंह की सरकार को बदनाम किया। फलस्वरूप चुनावों में काँग्रेस की पराजय हुई।

उप महामहिम जी को यह समझना होगा कि सरकार बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण लोकतंत्र को कायम रखना हैं और उसके लिए सत्तारूढ़ पार्टी के अनीतिक और अवैध फैसलों को रोकने टोकने वाला अफसर चाहिए। न कि कारसेवको पर गोली चलवाने वाला मुख्य सचिव जो बाद में अयोध्या के राम मंदिर निर्माण का जिम्मा निभा रहा हैं। इन्हीं कारणों से जांच एजेंसियों के मुखिया की रीढ़ इतनी मजबूत होनी चाहिए कि वह प्रधानमंत्री को भी गलत काम के लिए न कह सके।

(ये लेखक के विचार हैं)

बजट में विशेष प्रावधान

उप्र की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आठ लाख करोड़ का सबसे बड़ा बजट पेश किया। इसकी खासियत इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब, युवा, किसान, महिलाएं, धार्मिक पर्यटन रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने पर्यटन स्थलों के लिए 400 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए। अयोध्या व मथुरा के लिए क्रमशः 150-125 करोड़ रुपये तथा नैमीषारण्य के लिए सौ करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है। मलिन बस्तियों के विकास के लिए 400 करोड़ व अर्बन फ्लड स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को हजार करोड़, स्मार्ट सिटी योजना को 450 करोड़, बेसहारा पशुओं के आश्रय के लिए 450 करोड़ रुपये का ऐलान किया।

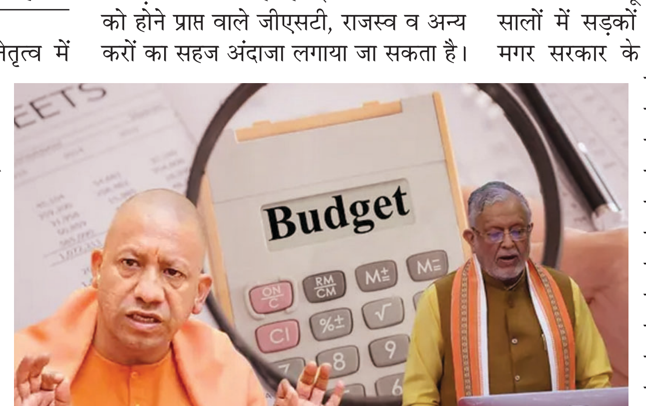

देश के अन्य राज्यों की खुद के कर प्राप्तियों में उप्र का अंश 2024-25 में 11.6 प्रतिशत रहा, जो महाराष्ट्र के बाद सर्वाधिक है। चूंकि जनवरी 24 से दिसम्बर 24 के दरम्यान राज्य में 65 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख बताई जा रही है। इसी माह केवल महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वालों की संख्या 54 करोड़ आंकी जा रही है। इस सबसे सरकार को होने प्राप्त वाले जीएसटी, राजस्व व अन्य करों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मंदिरों को चढने वाले चढ़ावे में राम मंदिर तीसरे स्थान पर आ चुका है। ऊर्जा, लिंक-एक्सप्रेस-वे, सड़कों व पुलों के निर्माण के लिए बजट में विशेष प्रावधान करने के पीछे सरकार की मंशा आम नागरिक को प्रभावित करने की भी है। हालांकि कृत्रिम मेधा व साइबर सुरक्षा को 5 व 3 करोड़ रुपये देने के ऐलान ने स्पष्ट किया कि सरकार कुछ मामलों में सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। इन आठ सालों में सड़कों की स्थिति बेहतर हुई है, मगर सरकार के पास वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव व सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कोई स्कीम नहीं है।

सड़कों, एक्सप्रेस-वे, पुलों व मेट्रो के निर्माण के चलते शहरों/महानगरों की व्यवस्था चरमरा जाती है। शिक्षा-व्यवस्था, छात्रों व बेरोजगारों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार को बेहतर कदम उठाने होंगे। हर सेक्टर को धन मुहैया कराने की आंकड़ेबाजी तो बस रवायत है। इसका असर निचले स्तर पर व्यावहारिक तौर पर नजर भी आना जरूरी है।

ट्रंप प्रशासन की नये कार्यकाल की शुरुआत

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल को अभी केवल एक महीना हुआ है, लेकिन इसी अवधि में लगता है कि दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। इस नये कार्यकाल की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन ने जो फैसले किए हैं उससे अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। सब कुछ इतनी तेज रफ्तार से हो रहा है कि अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश सकते में हैं। विरोधी देश भी आशंका के साथ ट्रंप के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

पहले कार्यकाल की तुलना में इस बार ट्रंप के पास एक मजबूत कैबिनेट या टीम है। उन्होंने जिन लोगों को सहयोगी के रूप में चुना है उन्हें लेकर काफी विवाद की स्थिति रही। पहले यह लग रहा था कि राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख के रूप में तुलसी गबार्ड और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रमुख के रूप में काश पटेल की नियुक्ति को सीनेट खारिज कर सकती है। इन सारे विरोध के बावजूद इन दोनों व्यक्तियों की नियुक्ति पर सीनेट की मुहर लग गई। यह कहा जा सकता है कि ट्रंप की विदेश नीति के निर्धारण में तुलसी गबार्ड की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। तुलसी बार-बार यह कह चुकी हैं कि ट्रंप शांति के पक्षधर राष्ट्रपति होंगे। वह नया युद्ध शुरू करने के बजाय मौजूद संघर्ष को समाप्त करने के लिए निर्णायक पहल करेंगे। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका रूस के बीच वार्ता भी इसी लक्ष्य से प्रेरित है। इस संदर्भ में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को लेकर जैसा उपहास किया हुआ वह उनकी चिर-परिचित शैली के अनुरूप है। लेकिन यह निश्चित है कि शुरु आती दौर में ही ट्रंप ने अपनी विदेश नीति के रूपरेखा तय कर दी है।

यदि यह जारी रही तो दुनिया पहले की तुलना में अधिक शांतिपूर्ण और स्थिरता वाली होगी। आश्चर्यजनक रूप से ट्रंप चीन के खिलाफ भी संयत रवैया अपनाए हुए हैं। अमेरिका में शक्तिशाली से सैन्य उद्योग और हथियारों के कारोबारी ट्रंप की नीतियों के संदर्भ में अपने नफा-नुकसान का लेखा-जोखा ले रहे हैं। वे ट्रंप को अपना रास्ता बदलने के लिए बाध्य कर सकेंगे या नहीं यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। घरेलू मोर्चे पर हालात दुरुस्त करने की जिम्मेदारी काश पटेल पर है। उन्हें डोनाल्ड ट्रंप का बाहुबली माना जाता है। उनकी तुलना अभी से एफबीआई के 'सर्वशक्तिमान' प्रमुख एडगर हूबर से की जा रही है। हूबर करीब 50 वर्षो तक खुफिया एजेंसी के प्रमुख रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान 6 राष्ट्रपति आए और गए। हूबर इतने शक्तिशाली थे कि राष्ट्रपति भी उनसे खौफ खाते थे। काश जैसे कम उम्र और कम अनुभवी व्यक्ति की तुलना हूबर से किया जाना बहुत कुछ बयां करता है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ही नहीं बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के असंतुष्ट नेता भी काश पटेल से भयभीत हैं। इतना ही नहीं सीएनएन और वाशिंगटन पोस्ट जैसे मीडिया संस्थानों के नामी-गिरामी पत्रकार भी चिंतित हैं। काश पटेल पहले ही यह ऐलान कर चुके हैं कि ट्रंप के खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले मीडिया संस्थानों और पत्रकारों की खबर ली जाएगी। लेकिन भारत के लिए काश की नियुक्ति एक अच्छी बात है। जेहादी और खालिस्तान समर्थक अमेरिका को सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे आतंकवादियों को नया ठिकाना ढूंढना होगा।

भारत की घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के संबंध में ट्रंप के हालिया बयानों को लेकर राजनीतिक भूचाल सा आ गया है। एलन मस्क की अगवाई वाले सरकार दक्षता विभाग (डीओजीई) ने भारत की चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी करने के लिए करीब 180 करोड रुपये का आवंटन किए जाने का खुलासा किया है। ट्रंप ने यह चौंकाने वाला बयान दिया कि यह धनराशि मोदी के बजाय किसी अन्य व्यक्ति को चुनाव जिताने के लिए थी।

ट्रंप के इस बयान का प्रतिवाद करने के लिए अमेरिका की मीडिया में रिपोर्ट प्रकाशित की जा रही हैं। लेकिन ट्रंप बार-बार अपने इस बयान को दोहरा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए करीब 3 करोड़ डॉलर निर्धारित किए गए। बांग्लादेश में क्या हुआ यह दुनिया के सामने है। विदेशी पैसे के बलबूते तीसरी दुनिया के देशों में अमेरिका ऐसा खेल खेलता रहा है। लगता है ट्रंप टीम इस पर विराम लगाना चाहती है।

(ये लेखक के विचार हैं)

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

भोथली में गीता जयंती- विधायक गजेन्द्र यादव हुए शामिल

दुर्ग। भोथली में यादव समाज द्वारा आयोजित गीता महोत्सव में विधायक गजेन्द्र यादव सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में समाज के गौरव के रूप में उन्हें सम्मान किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिकजनों ने उनके समक्ष समाज के भवन व अन्य मांग किये जिसे कार्यवाही कर पूरा करने आश्वासन दिए। इस दौरान समाज की महिलाओं ने पारंपरिक एवं सांस्कृतिक गीतों पर मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे आयोजन की शोभा बढ़ी। विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा की कोसरिया यादव समाज खाड़ा सर्किल द्वारा आयोजित गीता जयंती समारोह में शामिल होने का अवसर मिला। समारोह के दौरान समाज में शिक्षा, संस्कार, और सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देने उत्साहवर्धन किये। साथ ही, शासन की विभिन्न योजनाओं और नीतियों से समाज के अधिकतम लोगों को लाभान्वित करने के विषय पर जानकारी साझा किये। उन्होंने आगे कहा की कहा कि समाज को शिक्षा का महत्व समझना चाहिए समाज के सभी लोगो का शिक्षित होना जरूरी है। मोदी सरकार की कुशल नीति और बेहतर नेतृत्व में देश के निचले तबके के लोग भी आगे बढ़ रहे है।

निधन

मोहनलाल गुप्ता

भिलाई। कान्यकुब्ज वैश्य हलवाई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भिलाई नागरिक सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष, दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहनलाल गुप्ता का आज सुबह 6:50 बजे दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया वे 87 साल के थे उनका अंतिम संस्कार 26 फरवरी को दोपहर 2:00 बजे रामनगर मुक्ति धाम में किया जाएगा।

जया मिश्रा

भिलाई। प्रगति नगर सड़क 2 ई प्लॉट नंबर 14 होरी ऑटो गैरेज के सामने रहने वाली श्रीमती जया मिश्रा का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रिसाली मुक्ति धाम में 24 फरवरी सोमवार को किया गया। वे इंदु आईटी स्कूल के शिक्षक संजय मिश्रा की पत्नी थीं। रविवार को बेमेतरा जिले के देवकर थाना क्षेत्र में जया मिश्रा सड़क दुर्घटना की शिकार हो गई थी। इनके निधन से पूरा परिवार शोक संतप्त है।

बाबा की बारात से पहले संगीत संध्या में झूमे भक्त, भजन स्वर सम्राट शहनाज अख्तर के गीतों ने बनाया माहौल

26 को निकलेगी बाबा की बारात, उससे पहले बन गया माहौल, खुर्सीपार दुर्गा मैदान में भजन संध्या का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाशिवरात्रि पर भिलाई में बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा बाबा की बारात निकली जाएगी। 26 फरवरी को मध्यभारत के सबसे बड़े बारात का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भूत-पिशाच के रूप में देशभर के कलाकार शामिल होंगे। बारात से पहले 23 फरवरी को संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इस संगीत संध्या में हिंदू भजन सम्राट शहनाज अख्तर ने अपनी प्रस्तुति दी।

बाबा की बारात में देखने को मिलेंगी ये झांकी

शहनाज के भजन को सुन माहौल बन गया। खुर्सीपार दुर्गा मंदिर पंडाल में यह आयोजन हुआ। आयोजक बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने बताया कि इसमें भिलाई मेयर नीरज पाल ,महेश वर्मा बीजेपी पूर्व जिला अध्यक्ष, प्रमोद सिंह संसाद प्रतिनिधि सरिता बघेल अन्य पार्षद शामिल हुए।

उनके अलावा शहर के गणमान्य राजनेता भी शरीक हुए। दया सिंह ने बताया बाबा के भजन में देर रात तक श्रद्धालु झूमते रहें। कुर्सियां खाली नहीं थी। खड़े होने तक जगह नहीं थी।

इस आयोजन में शहरवासियों के अलावा आसपास के लोग पहुंचे। इस आयोजन मे मुख्य राकेश प्रसाद, प्रमोद सिंह, विजेंद्र मिस्त्र, प्रशांत कुमार, गौरव गोरघाटे ,रंजीत सिंह ढिलन,प्रदीप सोनी, रोकी साहू, बेनू साहू, आशीष चंद्राकर, प्रदीप वर्मा संतोष चौहान, ओम प्रकाश सिंह ,श्रीधर राव रहे।

बाबा की बारात में देखने को मिलेंगी ये झांकी

आंध्रप्रदेश: श्रीकाकुलम नवदुर्गा अघोरत लोकनृत्य के कलाकारों द्वारा प्रस्तुती होगी।
श्री महादेव आर्ट ग्रुप हरियाणा, अघोर शमशान महाकाल विशेष प्रस्तुती। – केरल प्रदेश– हनुमान भगवान का विशाल रुप, हंश पक्षी नृत्य डांस 2 लोगों द्वारा, शिव भगवान बूढ़ा नृत्य टीमों द्वारा होगा।
छत्तीसगढ़– भजन सम्राट दूकालु यादव की संगीतमय प्रस्तुती।– जबलपुर द्वारा ग्यारह विशाल झांकीयाँ भोले बाबा के दुल्हे के रुप मे दर्शन, समुन्द्र मंथन करते हुए देव दानव।
बस्तर का कोया नृत्य की 40 लोगों के टीम द्वारा प्रस्तुती होगी।
प्रकाश वैष्णव आर्ट राजनांदगांव व चिखली द्वारा भोलेनाथ द्वारा विषपान करते हुए नीलकंठ स्वरुप मनमोहक झांकी होगी।
कृष्ण नरकासुर वध 35 फीट की झांकी, पताल लोक में नाग लोक का प्रनमोहक श्य, नरसिंग अवतार की विशाल झांकियां, राम दरबार कृष्णलीला, गणेश जी ठारा शुभ लाभ का जन्मदिवस मनाते हुए अदृभुमत दृश्य।
बस्तर की भव्य मनमोहक झांकी
छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न जिलों से 21 झांकिया जिसमें 4000 से ज्यादा लोग राम रावण, विभीषण, भुत, पिसाच, राक्षसगण ठारा बाबा की बारात में नाचते गाते मनमोहक दृश्य झांकी स्वरुप।
पावर जोन डी.जे. (राजनांदगांव वाले), हर्ष डी.जे., शारद डी. जे., कुलवंत डी.जे., धन्?नु बैण्ड धमाल पार्टी, शारद बैण्ड, दुर्गा बैण्ड पार्टी एवं राजस्थान के आतिशबाजी की विशेष प्रस्तुती।
उत्तर प्रदेश की अखाड़ा की टीम, पंजाब से भांगड़ा की टीम उपस्थित रहेगी।
धन्नु धुमाल नंदी स्वरुप विशाल बैंड, भिलाई, श्री निवास बैंड एण्ड धुमाल।

रिफैक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग में नई चेतना कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रिफैक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग में मुख्य महाप्रबंधक पी दास के मुख्य आतिथ्य में 'नई चेतना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक एस के सोनी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी शुभश्री प्रषांत, सहायक महाप्रबंधक मालिनी परगनिहा, उप प्रबंधक शालिनी चैरसिया तथा विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं प्रबंधक फ्लोमिना इक्का उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक पी दास ने 'नई चेतना' कार्यक्रम के आयोजन के उद्देष्य को रेखांकित करते हुए कहा कि संयंत्र द्वारा महिला कर्मियों के हितार्थ चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं से अवगत कराने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। साथ ही उन्होंने अच्छे स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर जानकारी देते हुए सभी कर्मियों को घर से कार्यस्थल तथा कार्यस्थल से वापस घर पहुंचने तक सुरक्षित कार्य प्रवृत्ति अपनाने हेतु प्रेरित किया। महाप्रबंधक एस के सोनी ने महिला ठेका श्रमिकों को अपने कार्यस्थल के आसपास सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुये कार्य करने एवं कार्य के साथ-साथ स्वयं के स्वास्थ्य पर विषेष ध्यान देने के लिए कहा। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी शुभश्री प्रषांत द्वारा महिला ठेका श्रमिकों को खानपान एवं स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दी गई।

उप प्रबंधक शालिनी चैरसिया ने ठेका श्रमिक महिलाओं को यौन उत्पीड़न से संबंधित जानकारी प्रदान की। प्रबंधक सुश्री फ्लिोमीना इक्का ने उपस्थित महिलाओं को सुरक्षित कार्यशैली व नियर मिस घटनाओं के विषय में जानकारी प्रदान की। कनिष्ठ प्रबंधक राजेष कुमार पाण्डेय ने महिला श्रमिकों को मिलने वाले न्यूनतम वेतन, बोनस, पीएफ ईएसआईसी एवं भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए चलाये जा रहे छात्रवृति योजना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व (एस ए-8000) के विभिन्न 9 बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

विदाई समारोह में रिटायर कर्मी हुए भावुक, जताया सम्मान के लिए आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान माह जनवरी-2025 या उसके पूर्व सेवानिवृत हुए भिलाई स्टील प्लांट के कर्मियों सह संस्था के सदस्यों को भावभीनी विदाई दी गई।

सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र व अन्य पदाधिकारियों ने इन सदस्य कर्मियों को शाल/श्रीफल और उनकी जमा पूंजी का चेक देकर सम्मानित किया। स्वागत भाषण देते हुए अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने कहा कि सभी वरिष्ठ कर्मी हमारे मार्गदर्शक हैं और हम इनसे सतत संपर्क में रहेंगे। इस दौरान रिटायर हुए कर्मियों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की और सम्मान के लिए आभार जताया।

इन रिटायर होने वाले कर्मियों में मेडिकल से प्रवीण कुमार,श्रीमती जी.रामामणि,सत्येंद्र कौशिक,प्लांट गैरेज से महेश राव साखरे,कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से आनंद सिंग्रोल,स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से गोविंद राम और ब्लास्ट फर्नेस से रविशंकर सिंह शामिल हैं।

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 17 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन कर हासिल किया नया मील का पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मोडेक्स यूनिट, ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया), ने 23 फरवरी 2025 को 17 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन कर नया मील का पत्थर पार हासिल किया। ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 16 मिलियन टन से 17 मिलियन टन की यात्रा को 126 दिन के रिकॉर्ड समय में पूरा कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया, जबकि इससे पूर्व अगले 1 मिलियन टन का 133 दिनों में प्राप्त किया गया था। ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी ने अपना अगला लक्ष्य 17 से 18 मिलियन टन उत्पादन का 125 दिनों से कम समय में पूरा करने का निष्चय किया है। 02 फरवरी 2018 को कमीशनिंग के बाद से, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का ब्लास्ट फर्नेस-8, केवल 2,579 दिनों में 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन कर सेल की अन्य इकाइयों के समान क्षमता वाले फर्नेसों से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहा। उल्लेखनीय है कि सेल-राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के ब्लास्ट फर्नेस-5 ने 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन 2,674 दिनों में, वहीं सेल-इसको स्टील प्लांट (आईएसपी) के ब्लास्ट फर्नेस-5 ने 2,985 दिनों में पूरा किया था। इस प्रकार भिलाई स्टील प्लांट का ब्लास्ट फर्नेस-8, आरएसपी के ब्लास्ट फर्नेस-5 से 95 दिन पहले और आएसपी के ब्लास्ट फर्नेस-5 से 406 दिन पहले 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन के मील का पत्थर को पार करने के साथ ही ब्लास्ट फर्नेस-8 सेल में सबसे तेज क्षमता हासिल करने वाला फर्नेस बन गया है। 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन के महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए संयंत्र के कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने शॉप फ्लोर पर पहुंचकर ब्लास्ट फर्नेस-8 टीम को बधाई दी और केक काटकर जष्न मनाया। उन्होंने इस उपलब्धि में योगदान देने वाली टीमवर्क और समन्वय की सराहना की।

कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने कहा कि 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन हमें अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य करना होगा और अपनी असीमित क्षमता के साथ उत्पादन के नए लक्ष्य तय करने होंगे। उन्होंने कहा कि 'सपने देखना और सपने पर विष्वास करना, और विष्वास को हासिल करना।'

शहर को सुंदर बनाने में निगम कमिश्नर ने व्यापारियों से मांगा सहयोग सभी व्यापारियों ने दिए अपने-अपने सुझाव देकर बनाई अपनी सहमति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर को सुंदर बनाने में निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने व्यापारियों से सहयोग मांगा नगर निगम द्वारा शहर को सुंदर बनाने के लिए 24 फरवरी को शहर के चेंबर ऑफ कामर्स के साथ नगर एवं व्यापार हित में सभी प्रतिष्ठित व्यापारियों को बुलाकर निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने निगम के डाटा सेंटर में बैठक की।

इन बिंदुओं पर की बारी-बारी गई चर्चा जैसे कि बाजारों के विकास हेतु उनसे सुझाव लिए।बाजारों से निकलने वाले सूखे गीले कचरे का निष्पादन करने।बाजारों को कैसे जीरो वेस्ट डिस्चार्ज मार्केट बनाया जाये उनपर जोर दिया गया।इसके अलावा व्यापारियों / दुकानदारों को खुले में कचरा फेंकने से रोकने संबंध चर्चा करते हुए एकत्रित रखने की बात कही।राजस्व से संबंधित बकाया कर समय पर अदा करने हेतु अपील किया गया।व्यापारियों की सुविधा अनुसार सहयोग राजस्व वसूली भी लिया जाएगा. केडा विभाग द्वारा संचालित योजना के संबंध में चर्चा किया गया।इस सम्बन्ध में व्यापारियों ने कहा कि इदिरा मार्केट पार्किंग व्यवस्था को सुधारने पर अपने सुझाव दिए।इदिरा मार्केट स्थित कुआँ चौक के करीब मूत्रालय को बेहतर व्यवस्थित करने की बात कही।

चेंबर ऑफ कामर्स के साथ नगर एवं व्यापार द्वारा स्वच्छ शहर सुंदर शहर के लिए अपील की है इसे खुद भी अमल में लायेंगे।जीरो वेस्ट प्रक्रिया समझाने जल्द निगम के स्वास्थ्य विभाग टीम व्यापारियो के साथ लोगो को बताएंगे। इस दौरान उनसे सुझाव लेने के अलावा क्षेत्र को सुंदर बनाए रखने के लिए सहयोग मांगा। नगर निगम कमिश्नर ने बताया कि शहर को सुंदर बनाने संबंधी व्यापारियों से बैठक की गई। बैठक में चेंबर ऑफ कामर्स के साथ नगर एवं व्यापारियो ने स्वच्छ शहर सुंदर शहर बनाने के लिए जरूरी सहयोग देने की सहमति दी।

इसके अलावा दुकानों में डस्टबिन लगाने के लिए सहयोग की पेशकश की गई।इस अवसर पर बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा,उपअभियंता करण यादव,सहायक राजस्व अधिकारी भूपेंद्र गोइर,ईश्वर वर्मा,चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स अध्यक्ष प्रकाश सांखला,पवन बड़जत्या, दिलीप मरोटी, बहादुर अली,अशोक राठी,प्रह्लाद रूंगटा,जितेंद्र सोनकर सहित अन्य व्यापारीगण मौजूद रहें।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

नेत्रहीन बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रदान की गई चैरिटी शो से मिली राशि

रायपुर। लव फॉर ह्यूमैनिटीज नीव सामाजिक संस्था के द्वारा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में पद्मश्री भजन सम्राट अनूप जलोटा का भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नव निर्वाचित महापौर श्रीमती मीनल चौबे की मुख्य आतिथ्य तथा समाजसेवी व भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मनमोहन चावला की अध्यक्षता मे चैरिटी शो का आयोजन किया गया।

लव फार ह्यूमैनिटीज नीव सामाजिक संस्था के द्वारा 25 नेत्रहीन बालिकाओं को एक वर्ष की शिक्षा के लिए 1,35,000 रुपए व पैर से विकलांग जो जीवन यापन करने मे असमर्थ है उन्हे 15000 हजार की राशि प्रदान किया गया। इसके अलावा शहर में मृत्यु के पश्चात पांच सदस्यों ने देहदान किया था। उनके परिवार के सदस्यों का श्रीफल व शाल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी जीआर चन्द्राकर, समाजसेवी सुभाष राठी, विपिन मिरानी, राघवेन्द्र मिश्रा, डॉ. नीता शर्मा, गोकुल डागा,अरूण सिंघानिया, शांति लाल बरडिया, मंच संचालक अर्चना जैन की उपस्थति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

3200 किलोलीटर क्षमता के ओवर हेड टैंक की हुई सफाई

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के जल कार्य विभाग द्वारा सड्डू के 3200 किलोलीटर क्षमता वाले ओवर हेड टैंक की सील्ट की सफाई का कार्य सफलतापूर्वक करवाया गया।

सड्डू के ओवर हेड टैंक में सुबह की नियमित जलापूर्ति करने के पश्चात ओवर हेड टैंक की सफाई का कार्य करते हुए सील्ट की सफाई के साथ ड्ड साथ कैमिकल ट्रीटमेंट, सभी चेम्बरों की सफाई एवं पेंटिंग का आवश्यक कार्य किया गया। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस कार्य के लिए पूर्व में नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत सतगुरु एजेंसी और सेफक्लीन एजेंसी को ओवर हेड टैंक की सील्ट सफाई हेतु रायपुर नगर पालिक निगम के जल कार्य विभाग द्वारा अनुबंधित किया गया है। सड्डू के ओवर हेड टैंक में सील्ट की सफाई का कार्य अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से आज सुबह 9 बजे प्रारम्भ कर दोपहर 2 बजे तक पूर्ण कर लिया गया।

राजधानी रायपुर में दो दिवसीय राहगीरी दिवस 1 मार्च को

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के अंतर्गत राहगीरी फाउंडेशन के सहयोग से रायपुर शहर में सड़क सुरक्षा पर्यावरण जागरूकता हेतु दो दिवसीय राहगीरी दिवस 1 मार्च को संध्या 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक और 2 मार्च को सुबह 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक राजधानी शहर के जी ई मार्ग पर साइंस कॉलेज के गेट के सामने से पण्डित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के गेट के सामने तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन में जुंबा, योग, विविध गतिविधियां, चिकित्सा शिविर, साइकिल चलाना, खेल प्रतियोगिता जैसी सकारात्मक गतिविधियां की जायेंगी। राहगीरी फाउंडेशन, जो कि देश के कई शहरों जैसे गुरुग्राम, दिल्ली में राहगीरी दिवस का आयोजन कर नागरिकों को सड़क सुरक्षा, पर्यावरण जागरूकता, सांस्कृतिक गतिविधि, खेल गतिविधि, फिटनेस गतिविधि, प्रतियोगिता आदि के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गो को साथ लाने का कार्य कर रहा है। उल्लेखनीय है कि राहगीरी दिवस के दिन शहर के किसी सड़क या स्थल को नो व्हीकल जोन घोषित कर उपरोक्त आयोजन किए जाते है।

बाकी शहरो में राहगीरी दिवस केवल एक दिन का आयोजित किया जाता है, लेकिन रायपुर शहर में सर्वप्रथम राहगीरी फाउंडेशन द्वारा दो दिवसीय राहगीरी दिवस कार्यक्रम का आयोजन राजधानी शहर रायपुर के जीई मार्ग में साइंस कॉलेज गेट के सामने से पण्डित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के गेट तक 1 मार्च को संध्या 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक और 2 मार्च को सुबह 7 बजे से 10 बजे तक किया जाएगा। जिसमें राजधानी शहर रायपुर के सभी नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं से प्रत्यक्ष लाभ हेतु दो दिवसीय राहगीरी दिवस आयोजन में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की गयी है।

विवाह योग्य युवक-युवतियों के बॉयोडाटा से सुसज्जित पत्रिका 'आशीर्वाद' का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज रायपुर द्वारा सर्व ब्राह्मण समाज के देश भर के युवक–युवतियों के लगभग 800 बॉयोडाटा एवं समाज के वर्ष भर की गतिविधियों की छायाचित्रों से सुसज्जित पत्रिका 'आशीर्वाद' के 14वें संस्करण का आशीर्वाद भवन में देशभर के आये सामाजिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। समाज की पत्रिका का लगातार प्रकाशित हो रहा यह 14 वां संस्करण है। ऐसी जानकारी प्राप्त होती रहती है कि इस पत्रिका में प्रकाशित बायोडाटा से लगभग 40 प्रतिशत बच्चों के संबंध तय होते है, यह एक प्रशंसनीय बात है।

समाज के अध्यक्ष पं. अरुण शुक्ल एवं सचिव पं. सुरेश मिश्र ने बताया कि हमारी वार्षिक पत्रिका देशभर में अपना एक विशेष स्थान रखती है, हम जहां भी जाते है वहां हमसे हमारे कार्यों एवं हमारी पत्रिका के विषय में लोग लगातार चर्चा करते है, यह सब बाते हम लोगों को ऊर्जा प्रदान करती है। विमोचन का यह कार्यक्रम शंकराचार्य आश्रम रायपुर के दाण्डी स्वामी डॉ. इन्दुभावानंद के हाथों सम्पन्न हुआ 7 विमोचन के इस कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष पं. अरुण शुक्ल, सचिव पं. सुरेश मिश्र, उपाध्यक्ष पं. राघवेन्द्र मिश्र, उपाध्यक्ष श्रीमती निशा अवस्थी, कोषाध्यक्ष पं. संतोष दुबे, सहसचिव पं. रज्जन अग्निहोत्री, सहसचिव पं. गौरव शुक्ल एवं सम्पादक मंडल के पं. शिवदयाल पाठक, पं. राजकुमार अवस्थी, पं. रज्जन अग्निहोत्री उपस्थित रहें, पूर्व सचिव पं. राजेंद्र शुक्ल, पं. रमण शुक्ल, विशेष रूप से भिलाई कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के उपाध्यक्ष पं. संतोष दीक्षित महासचिव पं. रविन्द्र कुमार मिश्र व सांस्कृतिक सचिव पं. राकेश कुमार शुक्ल कार्य. सदस्य श्रीमती रत्नमाला तिवारी, अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्याम तिवारी उपस्थित रहें।

इस अवसर पर कार्य. सदस्य पं. शशिकांत मिश्र, पं. राजकुमार अवस्थी, पं. गिरजाशंकर दीक्षित, पं. प्रकाशचंद्र अवस्थी, पं. चन्द्रिका शंकर बाजपेयी, पं. श्रीकांत अवस्थी, पं. प्रदीप शुक्ल (बबला) पं. अंजय शुक्ल, पं. अनिल शुक्ल, पं. हेमन्त तिवारी, पं. प्रशांत तिवारी, पं. राजेश त्रिवेदी, पं. सुशील तिवारी, पं. देवेन्द्र पाठक (गुड्डू), पं. प्रशांत शुक्ल (मान), पं. अजय अवस्थी, पं. विजय शुक्ल, पं. प्रभात पाण्डेय, पं. प्रभात मिश्र (कुम्हारी) महिला मंडल से श्रीमती नीता अवस्थी, श्रीमती अर्चना त्रिवेदी, श्रीमती निशा पाण्डेय, श्रीमती राधा तिवारी, श्रीमती संध्या मिश्रा, श्रीमती रीता पाण्डेय, श्रीमती सुधा शुक्ला, श्रीमती प्रीति मिश्रा, श्रीमती हीरा मिश्रा, श्रीमती रीता पाण्डेय, श्रीमती ममता मिश्रा, श्रीमती गीता मिश्रा, श्रीमती अभिलाषा तिवारी, श्रीमती प्रेमलता त्रिवेदी, श्रीमती कीर्ति अग्निहोत्री, श्रीमती पूर्णिमा शुक्ला, श्रीमती नीलिमा शुक्ला, श्रीमती पूर्णिमा मिश्रा, श्रीमती सुधा मिश्रा, श्रीमती तृप्ति अग्निहोत्री, श्रीमती शीतल मिश्रा, श्रीमती रंजना त्रिपाठी, श्रीमती संध्या मिश्रा, श्रीमती अलका मिश्रा, श्रीमती संध्या शुक्ला उपस्थित रहे।

नवाचार को बढ़ावा देने विवि के साथ कॉलेजों में जल्द लागू होगा धारा 8- कुलपति शुक्ला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला ने रंग मंदिर प्रांगण में गुरुकुल महिला महाविद्यालय के पुरस्कार वितरण एवं वार्षिकोत्सव के दौरान छात्राओं को महिला शक्ति बताते हुए कहा कि महिला शक्ति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अनेक कार्यक्रम किए जाने की योजना है। इसके अंतर्गत सभी महाविद्यालय इन छात्राओं के लिए आत्म रक्षा के लिए निशुल्क पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इसी प्रकार योग एवं ध्यान के साथ स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा धारा 8 के अंतर्गत पहल प्रारंभ होने की जानकारी दी, जिसमें ऐसे छात्र छात्राओं को अवसर दिया जाएगा जो कुछ नया प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। इसे महाविद्यालय स्तर पर भी लागू किया जाएगा। इस अवसर पर शासी निकाय अध्यक्ष अजय तिवारी, संचालिका समिति सचिव श्रीमती शोभा खण्डेलवाल तथा समिति के सदस्य उपस्थित हुए थे।

अजय तिवारी ने छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए बहुमुखी विकास की दिशा में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। वर्ष 2024 –25 के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्रा कु. निशा साहू बीसीए तृतीय वर्ष, सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक प्रगति शर्मा, बीकॉम अंतिम एवं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जितेश्वरी साहू, बीकॉम द्वितीय वर्ष, एनएसएस में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कु.जस्मी साहू, पीजीडीसीए, वर्षा मिश्रा, बीएससी अंतिम, सौम्य मिश्रा बीकॉम अंतिम तथा दिव्या सोनी बीकॉम द्वितीय वर्ष को महाविद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह देखकर पुरस्कृत किया गया। सेजल एवं साथी ने राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की पत्रिका अरुणिता का विमोचन भी किया गया। महाविद्यालय द्वारा कु. चेतना साहू, वाणिज्य विभाग,कु. नेहा गायकवाड़, विज्ञान विभाग एवं कु.खुशी जैन कंप्यूटर विभाग की छात्राओं को मेरिट स्कॉलरशिप भी प्रदान की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ी स्वागत गीत से हुई । रेशा एवं समुह ने स्वतंत्रता पर आधारित मणिकर्णिका पर अपनी प्रस्तुति दी। दिव्यांशी ने जब छाए मेरा जादू गीत पर अपनी प्रस्तुत किया। अर्चना ने शिव तांडव पर, उजमा द्वारा गोविंदा रीमिक्स पर डांस प्रस्तुत किया गया। करुणा विश्वास नहीं तूने ओ रंगीले पर एकल गीत प्रस्तुत किया। सौम्या एवं साथी ने छत्तीसगढ़ी नृत्य बारामसी पर अपनी प्रस्तुति दी। सुप्रिया एवं साथी ने पंजाबी नृत्य से दर्शाको का ध्यान आकर्षित किया। कार्यकम का संचालन डॉ. सीमा चंद्राकर सहायक प्राध्यापक, हिंदी ने किया।

महाशिवरात्रि में होगा सोमेश्वर महादेव का विशेष श्रृंगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 26 फरवरी को सोमेश्वर महादेव का विशेष श्रृंगार होगा जिसमें उज्जैन के महाकाल के रूप में भक्तों को दर्शन देंगे। शिवरात्रि की तैयारी को लेकर एक बैठक रविवार को सरजू बांधा मुक्तिधाम विकास समिति टिकरापारा रायपुर की सम्पन्न हुई। बैठक में पदाधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। प्रात: 8 बजे रुद्राभिषेक, भस्म आरती एवं पूजा पंडित लक्ष्मी नारायण शर्मा के सानिध्य में होगा तथा शाम 7:00 बजे महाआरती होगी तत्पश्चात भंडारा होगा।

समिति के अध्यक्ष माधव लाल यादव और सचिव गोवर्धन झंवर ने बताया कि भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार करने का दायित्व खुशी झंवर ,रिया यादव, वरुण कुर्मी, हर्षित को सौंपा गया है वे उज्जेन के महाकाल के रूप में भगवान का विशेष श्रृंगार करेंगे। समिति ने यह भी निर्णय लिया है कि जिन परिवारों की मनोकामना सोमेश्वर महादेव ने पूरी की है वे परिवार के लोग मुख्य यजमान के रूप में भस्म आरती और रुद्राभिषेक में शामिल होने का अवसर दिया गया है।

बैठक में सरजू बांधा तालाब के सौंदर्यकरण कार्य की समीक्षा की गई और धीमी गति से चल रहे कार्य पर सभी ने चिंता जताई। नगर निगम कमिश्नर से मिलकर उक्त संबंध में चर्चा करने का निर्णय लिया गया। समिति परिवार टिकरापारा वार्ड के नवनिर्वाचित पार्षद प्रमोद साहू और संजय नगर वार्ड पार्षद बद्री प्रसाद गुप्ता का उक्त अवसर पर सम्मान भी करेगा। बैठक में माधव लाल यादव, गोवर्धन झंवर, रतन वैद्य, राजू यादव, संजय चंद्राकर, राजेश कुमार ठाकुर, योगेश चौहान आदि मौजूद रहे।

1 मार्च फुलेरा दिवस पर 51 जोड़े लेंगे सात फेरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा फुलेरा दूज 1 मार्च के अवसर पर 51 जोड़ों का नि:शुल्क सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन एक निजी होटल में किया जा रहा है। इस सामूहिक विवाह में महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत प्राप्त होने वाली 50000 रुपये की राशि के अलावा छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की ओर से 70000 रुपए की सामग्री भी भेंट स्वरूप प्रदान की जाएगी।

यह जानकारी पत्रकारवार्ता में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल एवं प्रमुख सलाहकार दीनदयाल गोयल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत संगठन ने आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे जिसमें 95 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 51 जोड़े के आवेदन को स्वीकार किया गया शेष आवेदनों में चयन समिति को कुछ खामियां नजर आई जिसके कारण उन आवेदनों को अस्वीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 30 जोड़े ऐसे है जो बीपीएल परिवारों के अंतर्गत आते है।

प्रचार प्रसार प्रभारी श्रीमती ज्योति अग्रवाल ने बताया कि सामूहिक विवाह एक दिवसीय होगा जो कि पूर्ण रुप से रीति – रिवाजों के साथ संपन्न कराया जाएगा। इस सामूहिक विवाह की तैयारियां पूरी हो चुकी है। आर्य समाज की पद्धति से विवाह संपन्न करने के लिए महिला आर्य समाज रायपुर के श्रीमती अर्चना खंडेलवाल को इसका दायित्व सौंपा गया है। विवाह की पूरी विधि को संपन्न कराने के लिए 51 बटुकों के साथ इंदौर से विश्वामित्र रायपुर आएंगे।

खिलाड़ियों को 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में मिलेंगे बोनस अंक, एनसीसी-एनएसएस को भी लाभ

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शिक्षा विभाग से 25 मार्च तक मांगी सूची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं एवं 12वीं के स्पोर्ट्स स्टूडेंट्स को बोर्ड परीक्षा में 10 से 20 तक बोनस अंक दिए जाएंगे। एनसीसी, एनएसएस, स्काउट–गाइड, साक्षरता कार्यक्रम के स्वयंसेवक एवं अन्य चयनित गतिविधियों में शामिल छात्रों को भी बोनस अंक का लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने इसके लिए शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर खिलाड़ियों की सूची मांगी है। राज्य स्तरीय खेलों में भाग लेने वाले छात्रों को 10 अंक, राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करने वालों को 15 अंक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 20 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जिला शिक्षा अधिकारियों और शिक्षा विभाग के अफसरों को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्र के स्कूलों से पात्र छात्रों की सूची निर्धारित समय तक माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय भेजें, ताकि परीक्षा के दौरान बोनस अंक जोड़ने की प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सत्र 2024–25 की बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों को खेल और अन्य सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बोनस अंक देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए सभी स्कूलों से पात्र विद्यार्थियों की सूची 25 मार्च 2025 तक मांगी गई है। इस योजना के तहत केवल भारतीय ओलंपिक संघ, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और अन्य मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा प्रमाणित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र ही पात्र होंगे। इसके अलावा, एनसीसी के आरडी परेड, वायु सैनिक, नौसेना और थल सेना कैंप में भाग लेने वाले कैडेट्स को भी अंक दिए जाएंगे। इस निर्णय का उद्देश्य छात्रों को खेलों और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है।

खूबसूरत साड़ी पहन सान्या मल्होत्रा ने दिखाईं दिलकश अदाएं, कातिलाना अदाओं से इंटरनेट पर लूटी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा अक्सर अपनी खूबसूरती से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

दंगल गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

सान्या मल्होत्रा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी सुंदर और हसीन नजर आ रही हैं। उनका यह कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से दीवाने हो गए हैं। बालों को बांधकर, सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है।

इंडियन हो या वेस्टर्न आउटफिट एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा अपने हर एक लुक में बेहद खूबसूरत नजर आती हैं। फैंस भी उनके हर एक लुक को काफी फॉलो करते हैं। सान्या मल्होत्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

महारानी सीजन 4 की शूटिंग शुरू, एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने सेट से दिखाई अपनी पहली झलक

हुमा कुरैशी महारानी सीजन 4 के साथ वापस आ गई हैं। एक्ट्रेस ने सीरीज के सेट से एक बिहाइंड द सीन तस्वीर साझा किया है, जो यह दर्शाता है कि उन्होंने सीरीज के चौथे सीजन के लिए कमर कस ली है। इस तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।

हुमा कुरैशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपमकमिंग वेब सीरीज महारानी सीजन 4 के बारे में अपडेट साझा किया है। उन्होंने सीरीज के सेट से अपनी एक तस्वीर पोस्ट किया है। साथ ही, सीरीज को प्यार देने के लिए फैंस और दर्शकों का आभार जताया है।

अपनी तस्वीर शेयर करते हुए हुमा कुरैशी ने कैप्शन में लिखा है, सीजन 4 का समय आ गया है। टीम महारानी वापस आ गई है। यह तस्वीर मेरी प्रोड्यूसर साहिबा डिंपल खरबंदा द्वारा क्लिक किया गया है। प्यारे दर्शकों को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद और आभार प्यार। तस्वीर में हुमा कुरैश ब्लैक टी-शर्ट, जिस पर महारानी इज बैक लिखा है, और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं।

कांगड़ा टॉकीज स्टूडियो ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर महारानी सीजन 4 के सेट से तस्वीरें साझा किया हैं और सेट पर हुमा कुरैशी का स्वागत किया है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, रानी को वापस वहीं लाना जहां उसका राज है। महारानी के सेट पर हुमा का स्वागत। पहली तस्वीर में हुमा कुरैशी अपने वैनिटी वैन के पास हाथों से सीजन 4 का साइन देते हुए कैमरे के लिए पोज दिया है। दूसरी तस्वीर में हुमा महारानी सीजन 4 की टीम के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।

महारानी का पहला सीजन 2021 में आया। इस वेब सीरीज में हुमा कुरैशी ने रानी भारती की भूमिका निभाई है। रानी भारती एक गृहिणी और बिहार के मुख्यमंत्री भीमा (सोहम शाह) की पत्नी है। रानी को बस अपने घर और अपने पति की परवाह रहती है। वह अपने पति के बिहार के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अपना बैग पैक करके वापस गांव जाना चाहती है। हालांकि, उसकी जिंदगी तब बदल जाती है जब उसका पति उसे अपना उत्तराधिकारी घोषित करता है, जिससे हर कोई हैरान रह जाता है।

अगले सीजन में साजिशों, भ्रष्टाचार और खुद को राजनेता के रूप में साबित करने और सफल होने की उनकी यात्रा को दिखाया गया। महारानी का दूसरा सीजन 2022 में और तीसरा सीजन 2024 में प्रीमियर हुआ था।

तीन दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करना चाहती है मधुरिमा तुली

पिछले कुछ वर्षों में मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए बहुत मेहनत की है। टीवी डेली सोप से लेकर रियलिटी शो, म्यूजिक वीडियो, ओटीटी और यहां तक कि फिल्मों का हिस्सा बनने तक, वास्तव में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसे मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अभी तक टैप नहीं किया है। मधुरिमा को हमेशा एक कलाकार के रूप में उनकी विश्वसनीयता के लिए जाना जाता है और इसलिए उनके पास शोबिज की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने के लिए सब कुछ है। मधुरिमा, जो पहले बेबी, नाम शबाना और अन्य जैसी सफल परियोजनाओं का हिस्सा रही हैं, से हाल ही में 3 निर्देशकों के बारे में पूछा गया था जिनके साथ वह काम करना चाहती हैं।

इम्तियाज अली: वह व्यक्ति अपने स्वभाव और ऑन-स्क्रीन प्रतिभा के लिए जाना जाता है और जिस तरह से वह मनोरंजन और जीवन के एक टुकड़े के साथ एक सकारात्मक वाइब का मिश्रण करता है, वह वास्तव में दुर्लभ है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह हमेशा अभिनेताओं की सूची में उन सपनों के निर्देशकों में से एक के रूप में होते हैं जिनके साथ काम करना चाहिए।

करण जौहर: उनकी फिल्मों में हमेशा जीवन से बड़ा माहौल रहा है, जिसमें सौम्य और फैशन का मिश्रण होता है और उन्हें देश के सबसे बड़े निर्देशकों और निर्माताओं में से एक माना जाता है और उनका सम्मान किया जाता है। उन्होंने अतीत में अपनी फिल्मों के साथ जादू किया है और उनकी नवीनतम सफलता रॉकी और रानी... इसे पार्क से बाहर निकालने में भी कामयाब रही। वह एक नायिका की संवेदनशीलता और भावनाओं को समझते हैं और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि किसी भी अभिनेत्री के लिए उनके द्वारा निर्देशित फिल्म का हिस्सा बनना पूरी तरह से एक अलग खुशी है।

संजय लीला भंसाली: अंतिम लेकिन निश्चित रूप से कम से कम, हम खुद जादूगर के बारे में बात कैसे नहीं कर सकते? वास्तव में इस देश में कोई अन्य निर्देशक नहीं है जो महिलाओं को पर्दे पर संजय लीला भंसाली की तरह अधिक गरिमा, उत्साह, तेज-तर्रारता और आकर्षण के साथ प्रस्तुत करता हो। सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा और सौंदर्य के साथ एक मजबूत कला निर्देशन हमेशा एक निर्देशक के रूप में उनकी ताकत रहा है और इसलिए, कोई भी अभिनेत्री अपने जीवन के लिए उन पर भरोसा कर सकती है अगर उन्हें उनके द्वारा निर्देशित होने का अवसर मिलता है। कोई आश्चर्य नहीं, वह उसकी इच्छा सूची में बहुत अधिक है। खैर, मधुरिमा के पास जिस तरह की प्रतिभा और क्षमता है, उसे वास्तव में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने की जरूरत है क्योंकि जहां तक प्रदर्शन का संबंध है, केवल उन्हीं के पास उससे सर्वश्रेष्ठ निकालने की क्षमता होगी।

राणा दग्गुबाती-प्रियदर्शी की फिल्म को मिला टाइटल, आनंदी-सुमा कनकला भी आएंगे नजर

फिल्म लीडर से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ने बाहूबली में भल्लालदेव के किरदार से दर्शकों के बीच अमिट छाप छोड़ी है। राणा जल्द ही प्रियदर्शन की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका टाइटल नाम सामने आ चुका है।

अप्रैल 2024 में, श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी (एसवीसीएलएलपी) ने प्रियदर्शी अभिनीत एक रोमांचक नई परियोजना की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन उसका टाइटल तय नहीं हुआ था। यह फिल्म अब चर्चा में है क्योंकि निर्माताओं ने इसके शीर्षक का खुलासा किया है। फिल्म का टाइटल है प्रेमंटे। टैगलाइन थ्रिल-यू प्राप्तिरस्तु के साथ, फिल्म में आनंदी मुख्य महिला भूमिका में हैं, जबकि लोकप्रिय तेलुगु एंकर सुमा कनकला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

प्रेमंटे का परिचय। थ्रिलर फिल्म है। एक अनोखी प्रेम कहानी की विशेषता- प्रियदर्शीपीएन और आनंदी अभिनेत्री के साथ इट्ससुमाकनकला द्वारा निर्देशित एक महत्वपूर्ण भूमिका में। लियोनट्ठजेम्स द्वारा रोमांचक संगीत

यह परियोजना नवनीत श्रीराम के निर्देशन की पहली फिल्म और जाह्नवी नारंग की पहली प्रोडक्शन वेंचर है, जिन्हें हाल ही में पावर वुमेन 2024 पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। शीर्षक के अनावरण के बाद एक भव्य पूजा समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकार, क्रू और विशेष अतिथि शामिल हुए। फिल्म के मुख्य अभिनेता राणा दग्गुबाती ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जताई था, जबकि संदीप रेड्डी वांगा ने कैमरा चालू करके परियोजना को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। इस फिल्म में विश्वनाथ रेड्डी द्वारा सिनेमैटोग्राफी, लियोन जेम्स द्वारा संगीत और अनवर अली ने संपादन किया गया है। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है।

काम के दौरान थकान होने पर लें जापानी इनेमुरी झपकी

रोजाना ऑफिस में काम करते-करते थकान होना लाजमी है। इसके कारण ऊर्जा कम हो जाती है, तनाव बढ़ने लगता है और उत्पादकता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालांकि, काम के बीच केवल ब्रेक लेकर थकान को मिटाया नहीं जा सकता है। ऐसे में आप जापान की एक लोकप्रिय प्रथा को अपना सकते हैं, जिसे इनेमुरी झपकी यानि इनेमुरी नैप कहा जाता है। आइए इसके फायदे और करने का तरीका जानते हैं।

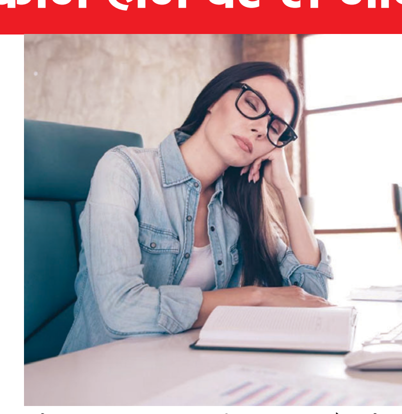

क्या होती है इनेमुरी झपकी?

इनेमुरी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर झपकी लेने की एक सदियों पुरानी जापानी तकनीक है। इसके दौरान कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर ही आराम करते हैं। यह प्रथा इसलिए शुरू की गई थी, क्योंकि जापान में लंबे समय तक काम करना आम माना जाता है और कर्मचारियों को आराम का समय नहीं मिल पाता है। इनेमुरी में छोटी-छोटी झपकियां लेना शामिल होता है, जो दिमाग को तारों-ताजा करने और ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करती हैं।

कैसे करें इनेमुरी झपकी का अभ्यास?

इनेमुरी झपकी लेने से पहले अपने मोबाइल में टाइमर लगा लें, ताकि आप देर तक न सो जाएं। अब एक आरामदायक अवस्था में बैठ जाएं और अपनी आखों को बंद कर लें। अपने शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए गहरी सांसें लें, जिसके बाद आपको नींद आ जाएगी। 15 से 20 मिनट की झपकी के बाद धीरे-धीरे आखें खोलें और स्ट्रेचिंग करें। जब आप अपनी झपकी से उठेंगे तो आपको ऊर्जावान और सक्रीय महसूस होगा।

इनेमुरी झपकी के फायदे

इनेमुरी के दौरान छोटी-छोटी झपकियां ली जाती हैं, जो आपको अधिक सतर्क और केंद्रित महसूस करने में मदद कर सकती हैं। इस प्रथा के जरिए कोर्टिसोल के स्तर को कम किया जा सकता है, जो तनाव पैदा करने वाला हार्मोन होता है। साथ ही, इस तकनीक को अपनाने से आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ सकती है, तनाव से छुटकारा पाया जा सकता है और मूड भी बेहतर हो सकता है। आप खुश रहने के लिए ये जापानी आदतें अपना सकते हैं।

क्या इस प्रथा के जरिए दूर होता है ब्रेन फॉग?

इनेमुरी प्रथा ब्रेन फॉग को दूर करने का एक प्रभावी उपाय हो सकता है। ब्रेन फॉग का मतलब होता है ऐसी स्थिति, जिसके दौरान दिमाग काम करना बंद कर देता है, चीजों को समझना मुश्किल हो जाता है और सक्रियता कम हो जाती है। हालांकि, एक शोध में कहा गया है कि छोटी-छोटी झपकियां लेने से सजगता, उत्पादकता और संज्ञानात्मक क्षमताएं बढ़ जाती हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इनेमुरी झपकी के दौरान दिमाग को आराम मिल जाता है।

लड़कियां हाई हील्स पहनते समय अपनाएं ये टिप्स, दिखेंगी स्टाइलिश नहीं होगा पैरों में दर्द

हाई हील्स आजकल लड़कियों के लिए फैशन स्टेटस बन चुकी हैं।स्टाइलिश दिखने और कॉन्फीडेंट बूस्ट करने के लिए महिलाएं ट्रेंडिंग हाई हील्स पहनती हैं। कुछ लड़कियां डेली लाइफ में हील्स कैरी करती हैं। वहीं कुछ किसी खास मौके पर इन्हें पहनना पसंद करती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वो कई बार इसमें कंफर्टेबल नहीं हो पाती हैं। हील्स पहनने के बाद उन्हें थोड़ी देर बाद ही पैरों में दर्द और खिंचाव होने लगता है।ऐसे में वो न केवल असहज हो जाती हैं बल्कि हील्स को जल्दी से जल्दी पैरों में से उतारने की कोशिश करती हैं। लेकिन आप कुछ टिप्स अपनाकर इन परेशानियों से बच सकती हैं। इसके साथ ही अपने लुक को इंनहेंस भी कर सकती हैं।

पम्प्स हील्स से करें शुरूआत

अगर आपको हील्स पहनने की आदत नहीं है तो आप पम्प्स हील्स पहनने से शुरुआत करें। पम्प्स हमेशा ट्रेंड में रहती हैं। इसकी खासियत ये है कि पम्प्स लगभग सभी ड्रेसों पर स्टाइलिश लगते हैं। शुरूआत दिनों में हील्स पहनने के लिए हमेशा 2-3 इंच लम्बी हील ही खरीदें। हील्स की आदत पड़ने पर आप 4-5 इंच लम्बी हील्स को ट्राई कर सकती हैं।

पैर दर्द से बचने के लिए सही साइज खरीदें

अगर आप हाई हील्स पहनने के बाद पैर के दर्द से बचना चाहती हैं तो इन्हें खरीदते समय अपने पैरों के साइज पर ध्यान देना न भूलें। इसके लिए किसी अच्छे ब्रांड की हाई हील्स का ही चुनाव करें। अपने साइज के मुताबिक ब्रांडेड हाई हील्स पहनना आपके लिए काफी कंफर्टेबल साबित हो सकता है।

धीरे-धीरे शुरू करें प्रैक्टिस

अगर आपने कभी हाई हील्स नहीं पहनी हैं तो शुरुआत में इन्हें थोड़ी-थोड़ी देर पहनने की आदत डालें। इससे आपका कॉन्फीडेंस भी बढ़ने लगता है। इसलिए किसी मौके पर हाई हील्स पहनने के पहले इसे घर पर पहनकर प्रैक्टिस कर लें। साथ ही हाई हील्स पहनने से पैरों में दर्द होने पर पैरों की सिकाई करें।

पेंसिल की जगह खरीदें ब्लॉक हील

अगर आपको हाई हील्स पहनने की आदत नहीं है तो शुरुआत में पेंसिल की जगह ब्लॉक हील खरीदें। ब्लॉक हील्स काफी आरामदायक होती है। पहली बार में पेंसिल हील पहनना खतरनाक हो सकता है। साथ ही हील्स पहनने के बाद अंगूठे के बजाए एड़ी पर जोर देते हुए चलने का प्रयास करें।

मुंह में पड़ने वाले सफेद छाले हो सकते हैं इन गंभीर स्थितियों के संकेत

आपने देखा होगा कि कुछ लोग अपने मुंह में होने वाले अल्सर से परेशान रहते हैं। लेकिन, कुछ लोगों के मुंह में सफेद छाले हो जाते हैं जो कि इस बात का संकेत हैं कि आपके शरीर में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। साथ ही ये इस बात का संकेत है आप लाइफ स्टाइल और डाइट से जुड़ी कमियों के शिकार हैं। साथ ही एक बेहद खराब लाइफस्टाइस जी रहे हैं। तो, जानते हैं मुंह में सफेद छाले होने का कारण।

मुंह में सफेद छाले होने का कारण

स्ट्रेस- स्ट्रेस आपके शरीर में सफेद छालों का कारण बन सकते हैं। दरअसल, जब हम ज्यादा टेंशन लेते हैं तो बॉडी एल्कलाइन हो जाती है और शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। इसे शरीर पचा नहीं पाता है और ये स्किन व टिशूज के जरिए बाहर नजर आने लगता है। यही सफेद छाले आपको परेशान करने लगते हैं।

एसिडिक फूड्स: एसिडिक फूड्स, जैसे कि गर्म चीजें या ज्यादा तेल मसाले वाली चीजें मुंह में सफेद छाले का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा ज्यादा कोल्ड ड्रिंक पीना, फास्ट फूड का सेवन, ज्यादा मिर्च और गर्म मसाले का सेवन, पेट को एसिडिक कर देता है जिससे मुंह में सफेद छाले होने लगते हैं।

विटामिन की कमी- विटामिन बी खास कर कि विटामिन बी12 की कमी से मुंह में सफेद छाले हो सकते हैं।

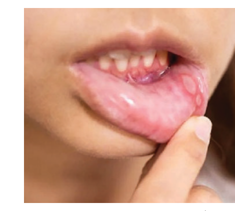

दरअसल, ये आपके जीभ और मुंह के वातावरण को साफी सेंसिटिव बना देता है जिससे मुंह में सफेद छाले हो सकते हैं। तो, इन कारणों को नजरअंदाज न करें और बार-बार होने वाले सफेद छालों को डॉक्टर को तुरंत दिखाएं। साथ ही इन कारणों को जान कर इन्हें करने से बचें ताकि, ये समस्या आपको बार-बार परेशान न करे और खूब पानी पिएं व पेट को ठंडा रखने की कोशिश करें।

छत्तीसगढ़ के 25.95 लाख किसानों को मिली पीएम किसान सम्मान निधि की राशि, सीएम साय ने कहा-

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के भागलपुर से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की। इसके तहत देश भर के 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। इनमें छत्तीसगढ़ के 25 लाख 95 हजार 832 किसान शामिल हैं। इन किसानों खाते में 599 करोड़ 38 लाख रुपए की सम्मान निधि भेजी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि प्राप्त करने वाले किसानों को बधाई दी और उन्हें सम्मानित भी किया।

मुख्यमत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अन्नदाताओं का सम्मान माँ अन्नपूर्णा के सम्मान की तरह है। चौदह महीनों के अंतराल में हमने किसान भाइयों के खाते में करीब एक लाख करोड़ रुपए भेजा है। अन्नदाताओं को अच्छा मूल्य मिलने से उनके जीवन खुशहाली आयी है। किसान आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। किसानों की समृद्धि से ही मजबूत ग्रामीण विकास का आधार तैयार हुआ है और शहरी अर्थव्यवस्था भी इससे बेहतर हुई है। अन्नदाताओं के श्रम से मिली शक्ति और उत्साह से ही हम छत्तीसगढ़ को संवार रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़-विकसित भारत बनाने में किसानों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में अब तक 9712 करोड़ 58 लाख रुपए की सम्मान निधि प्रदेश के किसानों को दी जा चुकी है। वर्ष 2023-24 की तुलना में 2 लाख 75 हजार से अधिक किसान भाइयों को इस योजना का लाभ मिला है। इस योजना का लाभ हमारे 2 लाख 34 हजार वन पट्टा धारी किसानों और 32 हजार 500 विशेष पिछड़ी जनजाति के किसानों को भी मिल रहा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के किसान भाइयों को योजना का लाभ मिल सके, इसके लिए कृषि भूमि की अनिवार्यता को शिथिल किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों को मोदी जी ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की गारंटी दी थी। हमारी सरकार ने यह वायदा निभाया है।

साथ ही किसानों को दो साल का बकाया बोनस देने की गारंटी भी दी गई थी। शपथ ग्रहण के एक पखवाड़े के भीतर ही हमने 13 लाख किसानों के खाते में बोनस की 3716 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी थी। पिछली बार हमने 145 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की।

किसानों को दिये गये धान के मूल्य के साथ बोनस राशि शामिल कर लें तो पिछले खरीफसीजन में किसान भाइयों के खाते में 49 हजार करोड़ रुपए भेजे गए। इस खरीफसीजन में 149 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की रिकार्ड खरीदी हमने की। इस सीजन में विभिन्न योजनाओं से मिलने वाली राशि मिला लें तो लगभग 52 हजार करोड़ रुपए की राशि किसानों के खाते में हमने भेजी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। इसके लिए उनका जोर उद्यानिकी फसलों, फसल विविधीकरण तथा पशुपालन पर भी है। हम उद्यानिकी तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने विशेष कार्य कर रहे हैं।

साथ ही पशुपालन को प्रोत्साहन देते हुए दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एनडीडीबी के साथ हमने एमओयू भी किया है। इससे दुग्ध क्रांति की दिशा में प्रदेश अग्रसर हो गया है। हमारी सरकार लगातार किसानों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत प्रदेश के 5 लाख 62 हजार भूमिहीन किसानों के खाते में दस-दस हजार रुपए की राशि भी हमने दी है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम को कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य वनोषधि बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय कुलपति गिरिश चंदेल, कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार, कृषि विभाग के संचालक डॉ सारांश मित्तर सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

निर्माणाधीन विस भवन का डॉ. रमन सिंह ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सोमवार को नवा रायपुर, अटल नगर में निर्माणाधीन नवीन विधानसभा भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली और दिशानिर्देश दिए। डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा सदन, सचिवालय, मुख्यमंत्री कार्यालय, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष के कक्ष, सेंट्रल हॉल एवं लाइब्रेरी के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रीगणों के कक्ष, मीटिंग हॉल, लाउंज, कैंटीन, ऑडिटोरियम सहित विधानसभा भवन के अन्य महत्वपूर्ण निर्माणाधीन कक्षों की स्थिति की भी जानकारी प्राप्त की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नवा रायपुर में बन रहा नवीन विधानसभा भवन न केवल आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त होगा।बल्कि यह छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक परंपराओं को भी दर्शाएगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता की उत्कृष्टता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि नया विधानसभा भवन छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक प्रणाली को और अधिक

सशक्त बनाएगा। इसमें विधायी कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आधुनिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, वन एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा सहित अन्य मंत्रीगण, विधायकगण, विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

शुभ संकल्पों की होती है समाज और राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रजापिता ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ब्रह्म भोज एवं स्नेह मिलन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सत्संग और ध्यान के माध्यम से मन में शुभ संकल्पों की जागृति होती है, और जब हम इन्हें अपने जीवन में अपनाते हैं, तो समाज और राष्ट्र के उत्थान में योगदान देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा आध्यात्मिक जागरूकता और समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ब्रह्मकुमारी संस्थान केवल आध्यात्मिकता का प्रसार ही नहीं कर रहा, बल्कि यह एक सशक्त राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा प्रत्येक वर्ष विधानसभा सदस्यों के लिए आयोजित पवित्र ब्रह्म भोज की अनूठी परंपरा के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

ब्रह्मकुमारी संस्थान की वरिष्ठ बहनों हेमलता दीदी और सरिता दीदी ने मुख्यमंत्री श्री साय सहित सभी अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

नशा मुक्ति अभियान को मिली राष्ट्रीय स्तर की सराहना

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा छत्तीसगढ़ से प्रारंभ किए जा रहे विशेष नशा मुक्ति अभियान की सराहना की और कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज और राष्ट्र का सबसे बड़ा संकट बन चुका है। युवाओं का इससे सबसे अधिक प्रभावित होना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। नशे की लत केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं, बल्कि यह सड़क दुर्घटनाओं, हिंसा और परिवारों के विघटन का प्रमुख कारण भी बनता जा रहा है। उन्होंने इस अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि योग और ध्यान से न केवल व्यक्ति के जीवन में संतुलन आता है, बल्कि इससे सकारात्मक मानसिकता भी विकसित होती है। यह अभियान छत्तीसगढ़ से लेकर संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ब्रह्मकुमारी संस्थान की सामाजिक एवं आध्यात्मिक सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि शांति सरोवर आने से मन को गहरी शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है। यह एक अद्भुत संयोग और शुभ संकेत है कि हम सभी एक साथ यहाँ उपस्थित होकर ब्रह्म भोज का पुण्य लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मकुमारी संस्थान केवल ध्यान और योग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज सुधार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और नैतिक मूल्यों के संवर्धन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अपने शिक्षा, योग, ध्यान और समाज सेवा से जुड़े अभियानों के माध्यम से न केवल भारत, बल्कि विश्वभर में सकारात्मक परिवर्तन का संचार कर रहा है।

SATTE 2025 : पर्यटन स्थलों को प्रमोट करने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने बनाया विशेष स्टॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण एशिया के सबसे बड़े ट्रैवल एक्सपो स्न्अअश्व (साउथ एशिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सपो) 2025 में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। 19 से 21 फरवरी 2025 तक आयोजित इस भव्य आयोजन में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को प्रमोट करने के लिए एक विशेष स्टॉल लगाया गया, जिसने देशभर के टूर ऑपरेटर्स, निवेशकों और पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया।

एक्सपो के दौरान छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने विभिन्न राज्यों से आए पर्यटन विभाग के अधिकारियों और टूर ऑपरेटर्स से मुलाकात की। श्री आचार्य ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से चित्रकोट जलप्रपात, बारनवापारा अभयारण्य, बस्तर की गुफाएं, सिरपुर, मैनपाट सहित राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास और निवेश के अवसरों पर भी प्रकाश डाला।

विवेक आचार्य ने कहा, छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की पर्यटन नीतियां इसे एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरने में मदद कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पर्यटकों और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने हेतु कई नई योजनाओं पर कार्य कर रही है। SATTE 2025 में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का स्टॉल एक्सपो के आकर्षण का केंद्र बना रहा, जहां बड़ी संख्या में टूर एंड ट्रैवल एजेंसियों, उद्योग विशेषज्ञों और पर्यटन प्रेमियों ने भाग लिया। एक्सपो में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और संभावनाओं को लेकर उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, जिससे यह साफहै कि राज्य जल्द ही देश के शीर्ष पर्यटन स्थलों में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा।

विभिन्न राज्यों के टूर ऑपरेटरर्स और ट्रेवेल एजेंटस ने SATTE (साउथ एशिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सपो) के स्टाल में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ अपना स्पॉट रजिस्ट्रेशन भी कराया ताकि टूरिज्म बोर्ड की नीतियों के तहत उन्हें टूरिज्म बुकिंग का लाभ मिल सके और दूसरे राज्यों के पर्यटक अधिक से अधिक संख्या में छत्तीसगढ़ के आकर्षक पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कर सकें। इस छोटी सी शुरूवात ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के लिए भविष्य की सार्थक संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के महाप्रबंधक श्री वेदव्रत सिरमौर, उप महाप्रबंधक संदीप ठाकुर एवं विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने टूर एंड ट्रैवल एजेंसियों, सरकारी अधिकारियों और निवेशकों से मुलाकात कर राज्य के पर्यटन स्थलों, योजनाओं और निवेश के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी 4 मार्च और 5 मार्च को देश के सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया है। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में देशभर के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आईटी आर्किटेक्चर, प्रभावी संचार, सोशल मीडिया आउटरीच को बढ़ाने, चुनावी प्रक्रियाओं में विभिन्न पदाधिकारियों की वैधानिक भूमिका और आधुनिक चुनाव प्रबंधन के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग के नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यभार संभालने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का यह पहला सम्मेलन है। आयोग ने इसके लिए सभी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को अपने-अपने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एक-एक डीईओ (जिला निर्वाचन अधिकारी) और ईआरओ (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी) को नामित करने के निर्देश दिए हैं। वैधानिक प्राधिकारियों के रूप में सीईओ, डीईओ और ईआरओ राज्य, जिला और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर महत्वपूर्ण पदाधिकारी हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का दो दिनों का यह सम्मेलन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के चुनाव अधिकारियों को विचार-मंथन और आपस में एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का मंच प्रदान करेगा।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

साक्षरता चौक के पास डिवाइडर पर चड़ी कार, बुरी तरह क्षतिग्रस्त, बाल बाल बचे सवार

भिलाई। साक्षरता चौक के पास फ्लाईओवर के इंट्रेंस पर सोमवार की शाम लगभग 4:20 बजे एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर रेलिंग तोड़ते हुए चढ़ गई। कार में एक महिला व दो पुरुष सवार थे। हादसे में कार सवारों को मामूली चोटें आई लेकिन कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना के बाद ट्रैफ्रिक के जवान मौके पर पहुंचे। वहीं आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार टाटा नेक्शन कार क्रमांक एमएच 49 सीडी 6300 हादसे का शिकार हो गई। कार डिवाइडर की रेलिंग को तोड़ते हुए चढ़ गई। यदि रेलिंग नहीं होती तो दूसरी ओर कार उछलकर पलट सकती थी। कार में एक महिला व दो पुरुष सवार थे जो कि ओड़िशा से महाराष्ट्र की ओर जा रहे थे। कार सवारों ने बताया कि पीछे से आ रही ट्रक ने ठोकर मारी जिससे उसकी कार अनियंत्रित हो गई और यह हादसा हुआ। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां डिवाइडर पर लोहे की रेलिंग लगी हुई थी। यदि रेलिंग नहीं होती तो कार दूसरी ओर पलट सकती और हादसा बड़ा हो सकता था। घटना की सूचना के बाद यातायात विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कार को निकालना शुरू किया।

मतदान ड्यूटी से वापस लौटने के दौरान आरक्षक की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

कोंडागांव। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण की मतदान ड्यूटी से लौट रहे बड़ेडोंगर थाना में पदस्थ एक आरक्षक नुमेन्द्र भुआर्य की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार बड़ेडोंगर थाना में पदस्थ आरक्षक नुमेन्द्र भुआर्य बड़ेराजपुर ब्लॉक में मतदान ड्यूटी से वापस लौटने के दौरान 23 फरवरी की रात लगभग 11 बजे केशकाल-विश्रामपुरी मार्ग पर ग्राम कोहका मेटा के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई, इस हादसे में आरक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। केशकाल पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

घूस लेते महिला इंस्पेक्टर गिरफ्तार

रायगढ़। नापतोल विभाग में पदस्थ महिला निरीक्षक को पेट्रोल पंप संचालक से 8 हजार की रिश्वत लेते एसीबी ने गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नापतौल विभाग में पदस्थ महिला निरीक्षक ओलिभा किस्पोट्टा ने पेट्रोल पंप संचालक से रिश्वत की मांग की थी। पेट्रोल पंप संचालक ने पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए महिला निरीक्षक को दिए थे, इसके बाद दूसरी किस्त की रकम 8 हजार रुपये की मांग की। इसकी शिकायत पेट्रोल पंप संचालक ने एसीबी से की और सोमवार सुबह रायगढ़ में एसईसीएल रोड स्थित नापतोल विभाग में एसीबी की टीम ने दबिश दी जहां पेट्रोल पंप संचालक की शिकायत पर ट्रैप आयोजित कर महिला निरीक्षक ओलिभा किस्पोट्टा को 8 हजार रुपये का रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। महिला निरीक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

नारायणपुर में भैरमदेव एरिया कमेटी के दो नक्सलियों ने किया सरेंडर, पांच-पांच लाख का था ईनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में भैरमदेव एरिया कमेटी, MMC ZONE के अन्तर्गत 5-5 लाख के दो सक्रिय माओवादियों ने किया नक्सल क्ररु विचारधारा से तंग आकर आत्मसमर्पण किया। छत्तीसगढ़ के आत्मसमर्पण नीति व जिला नारायणपुर क्षेत्र में चलाये जा रहे ''माड़ बचाओ अभियान'' एवं सुरक्षा बलों के सघन प्रयासों से प्रभावित होकर इन नक्सलियों ने सरेंडर किया है। आत्मसमर्पित माओवादियों में एक पुरुष व 1 महिला माओवादी शामिल है। दोनों MMC ZONE में सक्रिय रहे।

सीमा सुरक्षा बल द्वारा अबूझमाड़ के अंदरुनी क्षेत्रों में लगातार स्थापित किए जा रहे कैम्प और आम नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयासों के फलस्वरुप माओवादी आत्मसमर्पित होकर समाज की मुख्यधारा से जुड़कर स्वच्छंद रूप से सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। माओवादियों के आत्मसमर्पण के पीछे माड़ और नारायणपुर जिले में चलाये जा रहे विकास कार्य एवं सुरक्षा बलों द्वारा स्थानीय लोगों के दिलों में जगाया गया विश्वास बड़ा कारण रहा, तेजी से बनती सड़के गांव तक पहुंचती विभिन्न सुविधिाओं ने इन्हें प्रभावित किया है।

MMC ZONE के अन्तर्गत भैरमदेव एरिया कमेटी में सक्रिय माओवादी दंपति सुदेन

कोर्राम उर्फ जनकू कोर्राम एवं सरिता पोटावी उर्फकरिश्मा ने हरिंदर पाल सिंह सोही, उप महा निरीक्षक बीएसएफ़ क्षेत्रिय मुख्यालय, रायपुर, नवल सिंह कमाण्डेंट बीएसएफ 135 वीं वाहिनी, प्रभात कुमार पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, सनी आलोक टीगा, द्वितीय कमान अधिकारी, 135 वीं वाहिनी, जयदीप अग्रवाल, उप कमाण्डेंट (सामान्य) क्षेत्रिय मुख्यालय रायपुर व श्रीमती अमृता पैकरा उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी नारायणपुर के समक्ष आत्मसमर्पण किये। आत्मसमर्पण करने पर सभी माओवादियों को प्रोत्साहन राशि 25 हजार का चेक प्रदाय किया गया एवं उन्हें नक्सल उन्मुलन नीति के तहत् मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं दिलाया जाएगा।

आनंद प्रताप सिंह महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल सीमांत मुख्यालय भिलाई, सुन्दरराज पी पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर, हरिंदर पाल सिंह सोही, उप महा निरीक्षक बीएसएफ क्षेत्रिय मुख्यालय, रायपुर, अमित तुकाराम काम्बले पुलिस उप महानिरीक्षक कांकेर रेंज के मार्गदर्शन में नवल सिंह कमाण्डेंट बीएसएफ 135 वीं वाहिनी, प्रभात कुमार पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, सुरेश पांडे, द्वितीय कमान अधिकारी सीमा सुरक्षा बल सीमांत मुख्यालय भिलाई, रोबिनसन गुड़िया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, जयदीप अग्रवाल उप कमांडेंट बीएसएफ के निर्देशन में नारायणपुर पुलिस व बीएसएफद्वारा माओवादियों के विरूद्ध क्षेत्र में लगातार चलाए जा रहे नक्सल उन्मुलन अभियान का परिणाम है। अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर नक्सल संगठन से 2 माओवादियों के आत्मसमर्पण की महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

गावों तक पहुंचती विभिन्न सुविधाओं ने इन्हें प्रभावित किया

माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण के पीछे माड़ और नारायणपुर जिले में चलाये जा रहे विकास कार्य बड़ा कारण रहा तेजी से बनती सड़कें, गावों तक पहुंचती विभिन्न सुविधाओं ने इन्हें प्रभावित किया है। संगठन के विचारों से मोहभंग एवं मिली निराशा, संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद इनके आत्मसमर्पण का बहुत बड़ा कारण है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति ने उन्हें नई उम्मीद दी है। संगठन के भीतर शोषण तथा क्रूर व्यवहार से बाहर निकलकर समाज के मुख्यधारा में लौटकर सामान्य जीवन बिता सकते हैं। सुरक्षा बलों के लगातार अंदरूनी क्षेत्रों में कैम्प स्थापित करने एवं क्षेत्र में चलाये जा रहे आक्रामक अभियानों एवं मारे जाने से उत्पन्न भय ने भी इन्हें संगठन छोड़ने के लिए प्रेरित किया है। आत्मसमर्पित माओवादी भैरमदेव एरिया कमेटी क्षेत्रान्तर्गत सक्रिय रूप से कार्यरत रहे है।

आगे और भी नक्सली करेंगे सरेंडर

आने वाले समय में और भी नक्सलियों के संगठन छोड़कर आत्मसमर्पण करने की गोपनीय आसूचना है। आत्मसमर्पण कराने में बीएसएफका विशेष योगदान है। इस प्रकार नक्सलियों का आत्मसर्पण से शीर्ष माओवादी कैडर के लिए बड़ा नुकसान हुआ है। नक्सल मुक्त माड़ बचाव अभियान की कल्पना साकार रूप ले रहा है। सरकार की पुनर्वास नीति के फायदे घर, नौकरी ने इन्हें आकर्षित किया है। इन्होने आत्मसमर्पण माड़ एवं खुद की भलाई के लिए सोचा है, और ''माड़ बचाओ अभियान'' ने उन्हें अब एक नई आस दी है। माओवादी की विचारधारा में भटके नक्सलियों को उनके घर वाले भी वापस लाना चाहते है। हम सभी नक्सली भाई-बहनों से अपील करते हैं कि उनका बाहरी लोगों की भ्रामक बातों और विचारधारा से बाहर निकलने का समय आ गया है। अब समय माड़ को वापस उसके मूलवासियों सौंप देने का है जहाँ वे निर्भीक रूप से सामान्य जीवन व्यतीत कर सके।

राजधानी रायपुर के गोगांव में लूट की वारदात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के गोगांव क्षेत्र में एक सनसनीखेज लूट की वारदात सामने आई है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। यह घटना गोगांव स्थित सुकराम नगर सर्वेंट कॉलोनी की है, जहां गुजरात आइस फैक्ट्री में काम करने वाली टिकेश्वरी चौहान को नकाबपोश डकैतों ने निशाना बनाया। पीड़िता टिकेश्वरी चौहान किसी रिश्तेदार की शादी से वापस लौटी थीं और घर पर अकेली थीं। दोपहर करीब 2:30 बजे, कुछ नकाबपोश डकैत अचानक उनके घर में घुस आए। बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाते हुए उनके हाथ-पैर और मुंह बांध दिया और पौन घंटे तक लूटपाट की।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके

से फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां उन्होंने पीड़िता को बदहवास हालत में पाया। होश में आने के बाद टिकेश्वरी चौहान ने पूरी घटना पुलिस को बताई। अब पुलिस सीसीटीवी फटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। दिनदहाड़े हुई इस लूटपाट ने स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना दिया है।

बैटरी की दुकान में दिन दहाड़े चोरी, गल्ले से डेढ़ लाख पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में सोमवार को दिन दहाड़े बैटरी की दुकान से चोरी हो गई। अज्ञात चोर ने दुकान के अंदर घुसकर गल्ला तोड़ा और उसमें रखे डेढ़ लाख रुपए चुरा कर भाग गया। जिस समय चोरी हुई तब दुकान दार ने गल्ला व दुकान के दरवाजे को लॉक कर खाना खाने घर गया था। वापस लौटा तो दरवाजा और गल्ला दोनों के लॉट टूटे पाए। फिलहाल घटना की सूचना जामुल पुलिस को दे दी गई है। जामुल पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार

नंदिनी रोड छवनी चौक के आगे भारत पेट्रोल पंप के पास स्थित एनके बैटरी में चोरी की यह घटना हुई। दोपहर को दुकान का संचालक अपने टेबल के ड्रावर जिसे उसने गल्ला बना रखा था उसे लॉक किया। इसके बाद दुकान के बाहर का डोर लॉक कर खाना खाने घर चला गया। रोजना वह ऐसे ही दुकान को लॉक कर जाता था। जाने से पहले उसने गल्ले में डेढ़ लाख छोड़ रखे थे जिसे वह किसी व्यापारी को देने वाला था।

खाना खाने के बाद जब वह वापस लौटा तो देखा कि दुकान के बाहर के दरवाजे का लॉक टूटा है और दरवाजा खुला है। इसके बाद जैसे ही दुकान के अंदर दाखिल हुआ तो गल्ले का लॉक भी टूटा हुआ था। गल्ला चेक करने पर उसमें रखे डेढ़ लाख रुपए गायब मिले। दुकानदार ने तत्काल इसकी सूचना जामुल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची जामुल पुलिस ने जांच की और दुकान की शिकायत पर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। आसपास पुलिस को कोई सीसी टीवी कैमरा नहीं मिला है। नंदिनी रोड के अलग अलग हिस्सों की फुटेज खंगाली जा रही है।

चरित्र शंका में पत्नी की हत्या, सुबूत छिपाने पैरा में जला दी लाश, कंकाल ने खोले राज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक शख्स ने चरित्र शंका में अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद अपने तीन साथियों के साथ मिलकर शव को पैरावट में जला दिया। इसके दूसरे दिन ग्रामीणों ने पैरा में कंकाल देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मामला खुला और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने जिसकी हत्या की वह उसकी दूसरी पत्नी थी। मामला जिले के कापू थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कापू थाना क्षेत्र के कमरई गांव निवासी अमृत केरकेट्टा (65) ने पत्नी के निधन के बाद गांव की ही जयमति विश्वकर्मा

(40) से दूसरी शादी कर ली। दोनों के बीच शुरुआत में सबकुछ ठीक था लेकिन धीरे धीरे अमृत केरकेट्टा को अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका होने लगी। उसे शक था कि उसकी पत्नी का गांव के कुछ लोगों के साथ अवैध संबंध है और वह उसके पीठ पीछे यह सब करती है। इसके लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा।

पुलिस ने बताया कि 20 फरवरी की रात को अमृत केरकेट्टा शराब ले आया और अपनी दूसरी पत्नी के साथ बैठकर पी। शराब पीने के बाद दोनों के बीच फिर विवाद होने लगा। इस बार विवाद कुछ ज्यादा ही बढ़ गया और शराब के नशे में धुत केरकेट्टा ने जयमति की लात-घूसों से बूरी तरह से पीठा। पिटाई से उसकी मौत हो गई। इसके बाद सुबूत मिटाने के लिए अमृत ने गांव के साथी मयंक यादव, श्रवण यादव और राजेन्द्र केरकेट्टा के साथ मिलकर खेत में ले जाकर पैरा में पत्नी के शव को जला दिया। 21 फरवरी की सुबह गांव के कुछ लोग वहां से गुजरे तो वहां पर कंकाल दिखे। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

इसके पुलिस ने कंकाल को कब्जे लेकर पीएम कराया। इस अंधेकत्ल की गुत्थी सुलझाने पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस को जांच में पता चला कि अमृत केरकेट्टा की पत्नी घटना के दिन से ही गायब है लेकिन इसकी रिपोर्ट किसी थाने में दर्ज नहीं है। इसके बाद पुलिस ने अमृत को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पुलिस की पूछताछ में अमृत पहले तो गुमराह करता रहा लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर सारी सच्चाई उगल दी। कापू थाना प्रभारी नारायण सिंह मरकाम का कहना है कि, 24 फरवरी को आरोपी अमृत केरकेट्टा के खिलाफ धारा 103, 238 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं उसकी मदद करने वाले तीन साथी फरार हैं।

हाईवा ने मारी ठोकर ऑटो चालक कीर हुई मौत

बालोद। जिले के अर्जुन्दा थाना क्षेत्र के भरदाकला गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक हाइवा ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ऑटो के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में ऑटो चालक अशोक कुमार (50) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुरेश कुमार नामक एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर अर्जुन्दा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

छत्तीसगढ़ में डेढ़ करोड़ की शराब जब्त, पंजाब की शराब झारखंड व बिहार में खपाने की थी योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में शराब तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। यहां पर पुलिस ने लगभग डेढ़ करोड़ की शराब ट्रक के साथ जब्त की है। यह शराब पंजाब की है और झारखंड व बिहार में खपाने की योजना थी। शराब से भरी ट्रक को जशपुर पुलिस ने दुलदुला थाना क्षेत्र में रोका। ट्रक से एक दो नहीं पूरे 790 कार्टून अंग्रेजी शराब भरी हुई थी। उक्त शराब को वाल पुट्टी की बोरियों के नीचे दबाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को जशपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक 12 चक्का का अशोका लीलेंड ट्रक क्रमांक PB 11CP2003 में पंजाब राज्य से अवैध शराब लोड कर झारखंड, बिहार राज्य की ओर ले जाया

जशपुर पुलिस ने दबोचा

जा रहा है। सूचना के बाद एसएसपी शशि मोहन सिंह के नेतृत्व जशपुर पुलिस टीम के द्वारा उक्त संदेही ट्रक को ट्रैक किया जा रहा था। कि इसी दौरान दुलदूला थाना क्षेत्रांतर्गत लोरो घाट के नीचे, सरदार ढाबा के पास पुलिस के द्वारा घेराबंदी कर ट्रक को रोककर जांच की गई।

हजारीबाग से झारखंड ले जा रहा था शराब

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ट्रक चालक ने बताया की वह ट्रक को पंजाब जलांधर से हजारीबाग झारखंड तक ले जा रहा था। ट्रक में अंग्रेजी शराब लोड करने के संबंध में पूछने पर उसने बताया कि उसे नहीं मालूम कि ट्रक में माल कहां से लोड होता था, उसे तस्करों की एक दूसरी टीम, लोड ट्रक को जलांधार (पंजाब) में लाकर चालक को हैंड ओवर करती थी, जिसे लेकर वह हजारीबाग झारखंड आता था, वहां तस्करों की एक और टीम चालक को उतारकर लोड ट्रक को अपने साथ ले जाकर कही दूसरी जगह ट्रक को खाली करते थे और फिर खाली ट्रक को वापस लाकर आरोपी चालक को देते थे, साथ ही माल का पैसा बैग में भरकर देते थे, जिसे लेकर वह वापस जालंधर आता था, वहां तस्करों की एक अन्य टीम उससे ट्रक और रुपए लेकर चली जाती थी। चालक को मालूम नहीं होता था कि शराब कहां से लोड हुई और कहां अनलोड हुई।

पुट्टी की बोरियों के बीच दबा रखी थी शराब की पेटियां

ट्रक की चेकिंग की गई तो ट्रक में 100 से ऊपर पुट्टी की बोरी लोड थी। जिसे इस प्रकार से सुनियोजित ढंग से रखा गया था कि बाहर से देखने पर किसी को भी पता नहीं चल पाता कि ट्रक में शराब लोड है। पुलिस के द्वारा जब सभी बोरी को ट्रक से नीचे उतरवाकर, ट्रक के डाला को चेक किया गया तो उसमे 228 कार्टून में अंग्रेजी शराब की फुल बोतल, 299 कार्टून में हाफबोतल व 263 कार्टून में पौवा, इस प्रकार कुल 790 कार्टून में 22 हजार 536 बोतल में 7015 लीटर पंजाब राज्य की अंग्रेजी शराब मिली। जिसकी बाजार में कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपए के करीब है। पुलिस के द्वारा अवैध शराब तथा तस्करी में शामिल ट्रक को बरामद कर जब्त कर लिया व ट्रक चालक श्रवण सिंह पिता स्वर्ण सिंह (43), निवासी चंबा थाना श्रेहाली जिला सरनताल (पंजाब) को हिरासत में ले लिया।

जांच से बचने कम जांच प्वाइंट वाले रास्ते का इस्तेमाल

यहां यह बताना आवश्यक है कि तस्कर शराब तस्करी के लिए ऐसे रास्तों का उपयोग करते थे, जिसमे टोल नाका कम पड़े और वाहनों की चेकिंग कम हो, जिसके लिए वे यथा संभव ग्रामीण पक्की सड़कों का उपयोग करते थे। आरोपी ट्रक चालक 13 फरवरी को जलांधर पंजाब से रवाना होकर अबतक 1571 किमी की यात्रा कर चुका था। तस्करों द्वारा माल लोड करते समय ही शराब की बोतल के होलोग्राम व बैच नंबर को मिटा दिया जाता था। चालक के बयान से शराब तस्करी के बड़ी सुसंगठित गिरोह की शामिल होने की संभावना है। मामले में एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि शराब तस्करी का यह अंतर राज्यीय गिरोह है, आरोपी से जप्त मोबाइल के द्वारा इस सिंडिकेट में शामिल अन्य आरोपियों की पता साजी की गई है। साइबर सेल के माध्यम से, पुलिस इंड टू इंड इन्वेस्टिगेशन करेगी।

समक्षः श्रीमान् अनुविभागीय/कार्यपालिक दण्डाधिकारी महोदय, दुर्ग (छ.ग.)

:: शपथ पत्र ::

मैं शपथकर्ता संजय सिंह पिता स्व. सोहित सिंह उम्र 51 वर्ष, निवासी-झोपडी, सड़क नं. 54 बालाजी नगर खुर्सीपार जोन-2 से. 11 भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि मेरी पुत्री आरूषि सिंह (AARUSHI SINGH) की जन्म दिनांक 24.08.2012 है जो कि सही एवं सत्य है।
3. यह कि मेरी पुत्री के आधार नं. 8509 4814 8570 में नाम आराध्या (ARADHYA) दर्ज है जो कि त्रुटिवश दर्ज है तथा गलत है जबकि मेरी पुत्री का वास्तविक नाम आरूषि सिंह (AARUSHI SINGH) है जो कि मेरी पुत्री की स्कूल रिकार्ड में दर्ज है।
4. यह कि शासकीय गजट प्रकाशन पर आराध्या (ARADHYA) का सही एवं वास्तविक नाम आरूषि सिंह (AARUSHI SINGH) दर्ज करवाना चाहता हूं।
5. यह कि उपरोक्त बातों की सत्यता के प्रमाण पत्र में शपथ पत्र श्रीमान् सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

अतः शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

सत्यापनः मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूं कि शपथ पत्र की कुल कंडिका 1 से 5 तक मेरी निजी जानकारी के अनुसार सत्य व सही अतः आज दिनांक.....को मुकाम दुर्ग छ.ग. में अपना कर दिया।

पहचानकर्ता | शपथकर्ता

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राजिम कुंभ कल्पः संत समागम में बह रही संतों की अमृतवाणी

सत्संग के नाम पर मिल रहा है कबाड़, लोग ढोंग का जीवन जीने में व्यस्त-स्वामी राजीव लोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में विभिन्न स्थानों से पहुंचे संत महात्माओं ने अपनी अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को भक्ति में डूबो दिया। राजीव लोचन महराज ने कहा मीठे व्यक्ति से मिठास को प्राप्त करने के लिए जीवन में कड़वाहट के भाव को भी सहना पड़ता हैं। सत्संग के लिए कुसंग को भी समझना पड़ेगा। आज सत्संग के नाम पर कबाड़ मिल रहा हैं लोग ढोंग का जीवन जीने में व्यस्त है। हर मनुष्य को अमृत रूपी कुंभ में डुबकी लगानी चाहिए। आज महाकुंभ प्रयाग राज में कुंभ से विधर्मी को छंटनी किया गया हैं। वैसे ही हर घर, नगर और गली में दूषित व्यक्तियों को निकाल फेंकना जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि नवीन स्थल पर कुंभ कल्प का आयोजन हो रहा है जिससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में असुविधा न हो इसलिए आवागमन की पर्याप्त सुविधा होनी चाहिए।

धर्म, कर्म, भक्ति और ज्ञान के संचार से हम महान लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है - त्रिवेंद्रानंद महाराज

त्रिवेंद्रानंद महाराज ने कहा कि इस संसार में आया कोई भी व्यक्ति बिना एक-दूसरे के आश्रय के अकेले कुछ भी नहीं कर सकता। हमें अपने जीवन के विकास के लिए किसी न किसी का सहारा लेना ही पड़ता हैं। हम प्रकृति, जीव और परमात्मा का किसी न किसी रूप में आश्रय लेते हैं। धर्म, कर्म, भक्ति और ज्ञान के संचार से हम महान लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दैवीय गुणों को अपनाइए। जब तक हम अपने धार्मिक ग्रंथ संत-महात्मा का अनुकरण नहीं करेंगे तब तक जीवन सार को नहीं ढूंढ पाएंगे। राजिम कुंभ में गंगा मैया आरती के समय साक्षात उपस्थित होती हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद देती हैं।

सत्संग-भजन कीर्तन में ध्यान लगाएं तो कल्याण निश्चित - अनंतानंद महाराज

अनंतानंद महाराज ने कहा कि जब हम नोट की गड्डी को गिनते हैं। उस समय एकदम एकाग्र होते हैं। एक भी नोट छूट न जाए इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं। वैसे ही हम सत्संग, अच्छे कार्य, भजन कीर्तन में ध्यान लगाएं तो आपका कल्याण निश्चित हैं। भोग विकास पूर्ण जीवन का त्याग कीजिए और मन को शांत कर ईश्वर का हर पल स्मरण करके इस मनुज तन को सार्थक कीजिए।

संतों की वाणी कभी विफल नहीं होती - मनमोहन राज

मनमोहन राज जी महाराज ने कहा कि कुंभ कल्प में आए संतो के अमृत वचनों से हम भगवान के दर्शन पा सकते हैं। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन हर जगह होते रहने चाहिए। सनातन परंपरा में दान का महत्व हैं। प्रयागराज और राजिम कुंभ को देखकर लगता है अतिशीघ्र भारत विश्व गुरु बनेगा। संतों की वाणी कभी विफल नहीं होती, उसका अनुसरण कर हम अपने जीवन को धन्य बना सकते हैं।

सप्ताह में एक दिन सोशल मीडिया से दूर रहने का व्रत जरूरी - दानेश्वर महाराज

आचार्य दानेश्वर जी महराज ने कहा कि आज की पीढ़ी सोशल मीडिया रूपी ज्ञान की गंगा में डूबी हैं। आज चिंतन करना जरूरी कि हम कितना समय फालतू कामों में व्यतीत करते हैं। सप्ताह में एक दिन मोबाईल, सोशल मीडिया से दूर रहने का व्रत कीजिए और परिवार के साथ मिलकर रहिए। उनसे बातें कीजिए तभी जीवन का वास्तविक आनंद लें पाएंगे।

बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका ऐश्वर्या पंडित ने दी धमाकेदार प्रस्तुति, दर्शक हुए झूमने पर मजबूर, दर्शकों ने कहा वन्स मोर ...

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ की बेटी ऐश्वर्या पंडित ने राजिम कुंभ कल्प के मंच पर ऐसा जादू बिखेरा की दर्शक झूमने पर मजबूर हो गए। उनके गीतों को सुन दर्शक भी वन्स मोर, वन्स मोर करते रहे। प्रसिद्ध बालीवुड गायिका ऐश्वर्या पंडित ने भजनों से अपने कार्यक्रम की शुरुवात की । इसके बाद एक से बढ़कर एक सुपर हिट गीतों से धमाकेदार प्रस्तुति जैसे इश्क जुनून जब हद से बढ़ जाए..., दमदम मस्त कलिंदर..., तुझको मैं रख लूं वहां..., जब यार करें परवाह मेरी..., बिजुरिया बिजुरिया..., इश्क का जादू..., टनाटन टुरी तोर बाल..., जैसे बॉलीवुड और छत्तीसगढ़ी गीतों से अंत तक दर्शकों को बांधे रखा। दर्शकों ने भी इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। दर्शकों के उत्साह को देख ऐश्वर्या भी अपने आप को गाने से रोक नहीं पा रही थी।

मंच पर गरिमा और स्वर्णा दिवाकर की लोक कलामंच की टीम ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति की महक बिखेरी। उनके लोकप्रिय सुमधुर गीतों से दर्शक झूम उठे। उन्होंने राउत नाचा के दोहे से कार्यक्रम में जबरदस्त एंट्री की। ए दिया वो दिया, दिया ऊपर तेल..., झूम-झूम के नाचों का पंथी..., जैसे गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इसी मंच पर संदीप यदु की लोक कलामंच ने छत्तीसगढ़ी गीतों की झमाझम प्रस्तुति दी। कलाकारों का सम्मान संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा ने राजकीय गमछे और प्रतीक चिन्ह देकर किया।

राजिम कुंभ कल्प के स्थानीय मंच पर बिखर रही छत्तीसगढ़ी लोककला की महक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के सांस्कृतिक मंच क्र 2 में स्थानीय कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ी लोककला की महक प्रतिदिन बिखर रही है। मेला घूमने आए मेलार्थीयों को भी इस मंच में भरपूर मनोरंजन मिल रहा है। कार्यक्रम की कड़ी में दोपहर 12 बजे से द्रोपती बाई निषाद की टीम ने अपने सुमधुर गीतों से भक्तिमय माहौल बना दिया। तोर दरस लगे हो माता..., नौ दिन के नवरात्र..., माई के मेला लगे हैं ना..., नई जानव मां तोरे सेवा ला... जैसे सुंदर भक्तिमय प्रस्तुति दी। शकुन साहू की टीम ने छत्तीसगढ़ी सुवा नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। रामेश्वर साहू की टीम में कक्षा 6वीं में अध्ययनरत ग्राम बकली से बिटिया आराध्या साहू के द्वारा बालकला पंडवानी में महाभारत पांडव की वनवास कथा का प्रसंग बताया। जिसे दर्शकों ने बहुत ही सराहा। टीकम पटेल की टीम मुंगासेर झलप के निवासी लोक कला मंच की प्रस्तुति दी। जिसमें मोरो बर मया बरसाना..., बामन चिरैया..., छम-छम बाजे पांव... जैसे गानों ने खूब आनंदित किया। रामकुमार साहू की टीम में बालिकाओं के द्वारा वादन किया गया।

गरियाबंद क्षेत्र से नवल राम नेताम की टीम ने आदिवासी कमार नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। रामदास कुर्रे की लोककला कला मंच ने सुमधुर गीतों से दर्शकों को बांधे रखा। शिल्पा सिंग-मॉ कत्यानी की टीम ने कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी । इनके मुखड़े के हाव-भाव से आलौकिक प्रस्तुति देख दर्शक आश्चर्य चकित हो गए। संजना तिवारी की टीम ने सुमधुर गीतों से मनमोहक प्रस्तुति दी। मुकुंद यादव की टीम ने शौर्य पूर्ण अखाडा का प्रदर्शन किया। कोसरिया एवं गोविन्द साहू की टीम ने अपनी प्रतिभा से लोक कलामंच में छत्तीसगढ गीतों की प्रस्तुति दी। कलाकारों का सम्मान स्मृति चिन्ह, गुलदस्ता भेंट कर और राजकीय गमछे ओढ़कर सम्मानित किया।

महाशिवरात्रि पर निकाली जाएगी भोलेनाथ की बारात

राजिम। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नवापारा के भक्त माता कर्मा मंदिर परिसर से भव्य बारात निकाली जाएगा। बारात आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर भोलेनाथ की बारात निकाली जाती है। इस वर्ष 26 फरवरी महाशिवरात्रि के अवसर पर शाम 7 बजे नवापारा शहर के कर्मा माता मंदिर परिसर से बारात निकाली जाएगी।

बारात में शामिल शिव भक्त ढ़ोल नगाड़ों, गाजे-बाजे के साथ नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए त्रिवेणी संगम बीच स्थिति भगवान कुलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेंगे। जहां विधिवत पूजा अर्चना कर भोलेनाथ का विवाह कार्यक्रम संपन्न होगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए मुकुंद मेश्राम, नागेंद्र वर्मा, संजय साहू, मनोज बबलू विश्वकर्मा, ओमप्रकाश जगवानी, महेश सोनकर, कार्तिक साहू, शंभु मालवीय, जितेश यदु, गेंदालाल साहू, पवन बाडिया सहित

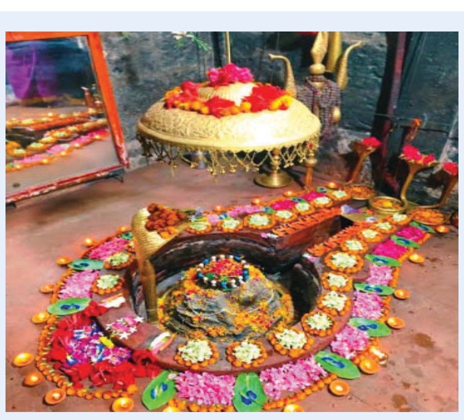

भक्त लगे हुए हैं। समिति के सदस्यों ने शिव भक्तों से बारात में शामिल अपील की है।

राजिम कुंभ कल्प को आगे बढ़ाने का दायित्व छत्तीसगढ़ियों का है - गुरू मां सुमिरन माई

राजिम। राजिम कुंभ कल्प में भैरवी धाम खैरा राजनांदगांव से अपनी शिष्याओं के साथ पधारी गुरु मां सुमिरन माई ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राजिम कल्प कुंभ में आकर मुझे काफी अच्छा लग रहा है। मुझे पहली बार इस राजिम कल्प कुंभ में आने का अवसर प्राप्त हुआ। शासन द्वारा यहां पर संतो के लिए बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है।

संत समागम स्थल को संतो के गरिमा के अनुरूप बहुत ही व्यवस्थित ढंग से सजाया और बसाया गया है। यहां आकर मै बहुत ही अभिभूत हूं। देश के विभिन्न स्थानों से साधु-संत यहां पहुंचे हुए है। जिससे यहां के वातावरण की धार्मिक, आध्यात्मिक और श्रद्धा भक्ति के महत्व को बढ़ाया है। राजिम धार्मिक, अध्यात्मिक और त्रिवेणी संगम के नाम से काफी प्रसिद्ध है। भगवान राजीव लोचन और कुलेश्वर नाथ

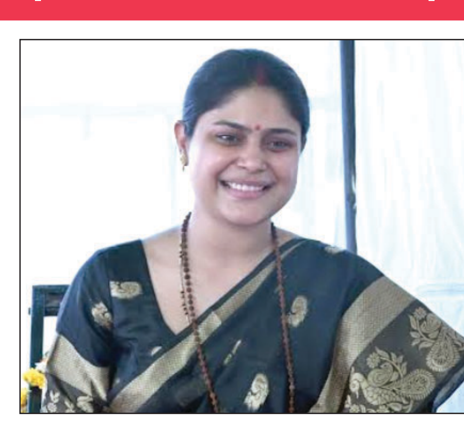

की नगरी में आना मेरा सौभाग्य है।

अपने पंथ के बारे मे बताते हुए कहा हम महेश कुल के अशल पाठ संप्रदाय से आते है। भगवान शिव हमारे अराध्य है और हम जप, तप, हवन और साधना के माध्यम से शिव की अराधना करते है। उन्होंने आगे बताया कि मां पार्वती मेरी आराध्य है और दंतेश्वरी माई मेरी प्राण है। मेरा एक ही लक्ष्य है कि मैं छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परम्परा को आगें बढाऊं। सुमिरन माई ने बताया कि उन्होंने मोहला के रहने वाले जगदीश बाबा से दीक्षा ली हैं। उनको राजमाड़िया की उपाधि प्राप्त हैं। पूजा पद्धति के बारे में बताते हुए उन्होंने पूजा की तीन पद्धतियां सात्विक, तामशिक और राजबिंक बताई। जिससे साधक ईश्वर प्राप्ति का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। राजिम सहित पूरे छत्तीसगढ के अपना संदेश देते हुए लोगों से आह्वान किया कि छत्तीसगढ़ के समस्त लोग राजिम के कुंभ कल्प में जरूर आए और साधु-संतो की संगत में बैठे। राजिम कुंभ कल्प को आगे बढाने और सफल करने का दायित्व पूर्ण जिम्मेदारी और कर्तव्य छत्तीसगढ़ियों का है।

राजिम कुंभ कल्प मेला में लगा विभिन्न विभागों का स्टॉलः प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की दी जा रही जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में शासन की योजनाओं की जानकारी देने विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया है। नवीन मेला मैदान में विशाल डोम में गरियाबंद जिले का भी स्टॉल लगा हुआ है। यहां एक स्टॉल में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना संबंधित जानकारी दी जा रही है, जहां लोगों की भीड़ उमड़ रही है। यह योजना पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों की सहायता के लिए हैं।

स्टॉल मे उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियो की टीम ने योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि शिल्पकारों और कारीगरों के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की गई थी। यह भारत सरकार की एक बेहद ही शानदार स्कीम है। इस स्कीम के जरिए सरकार देश के गरीब कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करके उनको स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना चाहती है। इस स्कीम के अंतर्गत शिल्पकारों और कारीगरों को कई लाभ मिलते हैं।

शिल्पकारों और कारीगरों को मिलेगा लाभः बताया गया कि इस योजना के तहत पंजीकरण तिथि पर आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। पंजीकरण और लाभ परिवार के एक सदस्य तक ही सीमित रहेंगे। शासकीय सेवा में कार्यरत व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्य पात्र नहीं होगें। इस योजना में कारपेंटर, नाव बनाने वाले, अस्त्र बनाने वाले, लोहार, ताला बनाने वाले, हथौडा और टूल की निर्माता, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, डलियॉ, चटाई और झाडू बनाने वाले, पारंपरिक गुड़िया और खिलौने बनाने वाले, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी, मछली जाल बनाने वाले को मिलेगा।

15 दिनों के ट्रेनिंग के साथ मिलती है स्टाइपेंडः पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत सरकार आर्थिक रूप से कमजोर कारीगरों और शिल्पकारों को स्किल ट्रेनिंग देती है। यह ट्रेनिंग 15 दिनों के लिए होती है। ट्रेनिंग के समय हर दिन उनको 500 रुपये का स्टाइपेंड भी दिया जाता है। ट्रेनिंग जब खत्म हो जाती है तो कारीगरों और शिल्पकारों को टूलकिट खरीदने के लिए एकमुश्त 15 हजार रुपये दिए जाते हैं।

लाभार्थी को मिलेगा लोनः योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने पर पी.एम विश्वकर्मा पहचान पत्र आईडी जारी होगा। लाभार्थी सीएससी सेंटर, पी.एम विश्वकर्मा योजना पोर्टल, मोबाइल ऐप पर आधार ऑथेंटिकेशन के माध्यम से पंजीयन कर सकते है। पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लाभार्थी को कुल 3 लाख रुपये का लोन दिया जाता है। लोन को कुल 2 चरणों में दिया जाता है। पहले चरण में 1 लाख रुपये का लोन दिया जाता है। वहीं दूसरे चरण में व्यवसाय के विस्तार के लिए 2 लाख रुपये का लोन दिया जाता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950